आज का विचार

किसी का अहसान कितना ही छोटा क्यों न हो, उसे कभी नहीं भूलना चाहिए और अपना अहसान कितना ही बड़ा क्यों न हो उसे कभी नहीं जताना चाहिए।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

7

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 20 नवंबर, 2023 | वर्ष 21, अंक 273, मूल्य: 3 रुपए | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

प्रदेशवासियों के प्रयास और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में देश में सबसे आगे खड़ा है :रणजीत सिंह

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा एवं जेल मंत्री श्री रणजीत सिंह ने कहा है कि हरियाणा सभी प्रदेशवासियों के प्रयास और मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में देश में सबसे आगे खड़ा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हमारी पुरानी धरोहर, संस्कृति, और विरासत देखने को मिल रही है और नई पीढ़ी के युवाओं को पुरानी संस्कृति, धरोहर और विरासत से परिचय होने का मौका मिल रहा है। ऊर्जा मंत्री आज यहां नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हरियाणा मंडप का अवलोकन करने के उपरांत एंफी थियेटर में हरियाणा दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती इंदिरा सिहाग, उनकी पोत्री सुश्री गायत्री तथा पौत्र सूर्यप्रकाश भी रहे।

उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है और हरियाणा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल की अगुवाई में विकास के पथ पर लगातार अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मंडप में श्रीमद् भागवत का संदेश वसुदेव कुटुंबकम को दशार्या गया है जो एकजुटता को बताता है। श्री रणजीत सिंह ने कहा की नीति आयोग के आंकड़ों में भी बताया गया है कि हरियाणा तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है और नंबर दो पर है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि फरीदाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी पलवल उत्तर भारत के उद्योग के क्षेत्र में पावर हाउस माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक्सकैवेटर 60% बनाए जाते हैं जबकि कारें 50% निर्मित होती हैं तो वहीं मोटरसाइकिल का उत्पादन हरियाणा में 60% हो रहा है अगर हम ट्रैक्टर की बात करें तो वह 32% यहां पर बनाए जा रहे हैं अर्थात हरियाणा एक प्रकार से इंडस्ट्रियल हब है।

प्रति व्यक्ति आय में गुरुग्राम आज नंबर एक पर है

उन्होंने कहा कि एक प्रकार से प्रति व्यक्ति आय में गुरुग्राम आज नंबर एक पर है। श्री रणजीत सिंह ने उदाहरण देते हुए बताया कि मुंबई की अर्थव्यवस्था

900 बिलियन की है परंतु मुंबई की जनसंख्या 2 करोड़ 75 लाख है तो वही गुड़गांव की जनसंख्या 14 लाख है लेकिन अर्थव्यवस्था 300 बिलियन की है अर्थात गुरुग्राम की प्रति व्यक्ति आय अधिक है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आने वाले 10 सालों में गुरुग्राम एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आएगा जो एशिया में पहला होगा।

विकास के मामले में उन्होंने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि वे लगातार राज्य को विकास की रफ्तार दे रहे है और तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने खेलों का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे ओलंपिक खेल हो, राष्ट्रमंडल खेल हो, चाहे एशियाई खेल हो या राष्ट्रीय स्तर के कोई भी खेल हो, हरियाणा के खिलाड़ी हमेशा आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम देश की आबादी का दो प्रतिशत है जबकि हमारे खिलाड़ी 32% मेडल जीतकर लाते हैं।

हरियाणा की बिजली कंपनियों की क्रेडिबिलिटी देश में नंबर एक पर

इसी प्रकार, ऊर्जा मंत्री ने बिजली के क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा की चारों कंपनियों जैसे कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा अन्य दो कंपनियों की क्रेडिबिलिटी आज देश में नंबर एक पर है और हम कभी भी लोन ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बच्चों का भविष्य अच्छा और उज्ज्वल है। रणजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा के पवेलियन में आगुंतकों की लगातार भीड़ है और हरियाणा मंडप में हर चीज को ध्यान में रखते हुए अच्छी प्रकार से सजाया गया है। इससे पहले, ऊर्जा मंत्री ने हरियाणा मंडप का अवलोकन किया और दर्शाए गए विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित उद्यमियों का आभार जताया, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विकास की दृष्टि से प्रदेश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहे हैं। इस मौके पर एंफी थियेटर में कला एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कलाकारों द्वारा उपस्थित जन समूह के सामने प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रशासक श्रीमती सोफिया दहिया, वरिष्ठ प्रबंधक श्री अनिल चौधरी सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य उपस्थित थे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने तीन छठ पूजा घाटों की घोषणा की, 5 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

महराना गांव की भूमि पर नहरों के बीच स्थापित होगा सूर्य मंदिर, निर्माण कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने स्वैच्छिक कोष से दिए 21 लाख रुपये

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने छठ पर्व पर पूर्वांचलवासियों को महत्वपूर्ण सौगात देते हुए पानीपत जिले में छठ पूजा के लिए समर्पित तीन घाटों के निर्माण की घोषणा की। इनके निर्माण पर 5 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। मुख्यमंत्री आज पानीपत में छठ पूजा महोत्सव के दौरान एक भारी जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ पूजा हेतु साफ पानी के लिए अवलाना डिस्ट्रीब्यूटरी पर 2 करोड़ रुपये की लागत से 700 फीट के घाट, असंध रोड पर थर्मल चैनल के पास 1 करोड़ रुपये की लागत से 300 फीट के घाट और बाबरपुर पुल के पास ड्रेन नंबर 2 पर 2 करोड़ रुपये के साथ 300 फीट का एक अन्य घाट का निर्माण किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, श्री मनोहर लाल ने महराना गांव की भूमि पर दो नहरों के बीच सूर्य मंदिर के निर्माण की भी घोषणा की। इस उद्देश्य के लिए गांव की जमीन के हस्तांतरण का कार्य प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य के लिए भूमि के सफल हस्तांतरण के बाद बनने वाले सूर्य मंदिर के लिए 21 लाख रुपये के स्वैच्छिक अनुदान की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने इस पावन अवसर पर माताओं, बहनों और बेटियों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी को छठ पूजा के पावन पर्व की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज छठ पूजा का यह पवित्र पर्व राज्य भर में लगभग 300 स्थानों पर मनाया जा रहा है, जिसमें लगभग 5 लाख लोग भाग ले रहे हैं।

उन्होंने इस कार्यक्रम में उपस्थित पूर्वांचल के सभी भाइयों और बहनों की हरियाणा के विकास में उनके अटूट योगदान के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि आपका परिश्रम और विशेषज्ञता राज्य में उद्योगों को बनाए रखने और कृषि विकास को बढ़ावा देने में सहायक रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद, आप राज्य में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में योगदान देने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछले 1 वर्ष में लगभग 1000 कॉलोनियों को नियमित किया है। इन कॉलोनियों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपये का निवेश रखा गया है। इस अवसर पर सांसद श्री मनोज तिवारी ने कहा कि हरियाणा राज्य में रहने वाले पूर्वांचल के लोगों की मांगों को पिछली सरकारों में नजरअंदाज कर दिया जाता था। आज तक किसी भी सरकार ने आपकी चिंता नहीं की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने स्थानीय लोगों के केवल अनुरोध मात्र पर ही तीन घाटों और सूर्य मंदिर को मंजूरी देकर जरूरतों को पूरा किया है। इसके विपरीत, दिल्ली में इसी तरह की धार्मिक परियोजनाओं के लिए अक्सर लड़ना पड़ता है इससे पहले मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल छठ पूजा समारोह में शामिल हुए जहां उन्हें इस शुभ अवसर पर 30 पूर्वांचल की संस्थाओ ने धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सांसद श्री संजय भाटिया ने भी लोगों को संबोधित किया।

दक्षिणी लाल सागर में मालवाहक जहाज हाईजैक, तुर्किये से भारत आ रहा था

दर्पण न्यूज सर्विस

तेल अवीव। इस्राइली रक्षा बलों ने बताया है कि दक्षिणी लाल सागर में यमन के पास हूती विद्रोहियों ने एक मालवाहक जहाज हाईजैक किया। इस पर कई देशों के नागरिक थे। तुर्किये से रवाना हुआ जहाज भारत आ रहा था। क्छ्रूर ने कहा कि इस घटना के वैश्विक परिणाम होंगे।

इस्राइली सेना ने साफ किया कि इस बहुत ही गंभीर घटना में जहाज पर कई देशों के नागरिकों की मौजूदगी है, जिसे ईरान ने निशाना बनाया है। आईडीएफ ने कहा, यह इस्राइली जहाज नहीं है। इस्राइल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया, इस्राइल एक अंतरराष्ट्रीय जहाज के खिलाफ ईरानी हमले की कड़ी निंदा करता है।

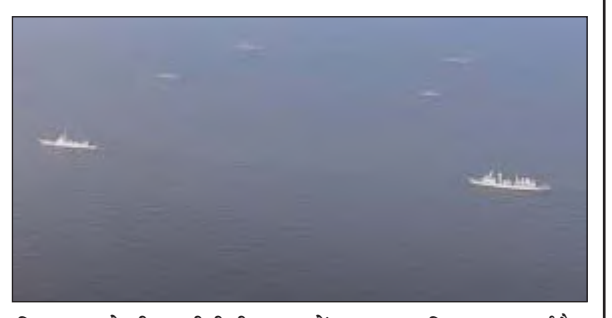

जहाज के बारे में इस्राइल ने कहा कि यह एक ब्रिटिश कंपनी के स्वामित्व वाला जहाज है। जिसका संचालन जापानी फर्म करती है। इसे यमनाइट हूती मिलिशिया ने ईरान के मार्गदर्शन में हाईजैक कर लिया। जहाज का नाम गैलेक्सी लीडर है। इस व्हीकल कैरियर का आंशिक स्वामित्व एक इस्राइली कंपनी के पास भी माना जाता है। शुरूआती खबरों के अनुसार, यमन के पास हूती विद्रोहियों ने जहाज हाईजैक किया। खबरों के अनुसार विद्रोहियों ने पहले ही इस्राइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी।

इस्राइल के बयान से इतर खबरों में यह भी कहा जा रहा है कि जटिल स्वामित्व संरचनाओं के कारण जहाज का स्वामित्व निर्धारित करना कठिन है। चालक दल की राष्ट्रीयता का पता नहीं लगाया जा सका है। हालांकि, इस्राइल का दावा है कि जहाज पर कोई भी इस्राइली नागरिक सवार नहीं है। लाल सागर में जहाज की हाईजैकिंग को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में देखा जाता है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय जहाज पर आक्रामक कार्रवाई की है।

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हाईजैक जहाज पर कुल 25 क्रू मेंबर सवार थे। इसमें यूक्रेन, बुल्गारिया, फिलिपींस और मेक्सिको के नागरिक शामिल हैं। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि जहाज हाईजैक किया जाना ईरान की तरफ से अंजाम दी गई एक और आतंकी वारदात है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि ईरान दूसरे देशों के नागरिकों के खिलाफ अपनी आक्रामकता दिखा रहा है। जहाज गुजरने के वैश्विक रास्तों की सुरक्षा के कारण ईरान की यह कार्रवाई के गंभीर परिणाम होंगे।

तुर्किये से भारत आ रहे मालवाहक जहाज- ₹गैलेक्सी लीडर₹ की हाईजैकिंग के बारे में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर अलग-अलग देशों के चालक दल के लगभग 50 सदस्य सवार हैं। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, एक हूती अधिकारी ने कहा, ₹हम इस्राइली मालवाहक जहाज को यमनी तट पर ले गए।₹ एएफपी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, तटीय शहर होदेइदा में एक जहाज को बंदरगाह शहर सालिफ में ले जाया गया है।

9 साल में आंगनवाड़ी वर्कर, हैल्पर का मनोहर सरकार ने रखा पूरा ख्याल

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़ ।महिला एवं बाल विकास, राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने प्रदेश की आंगनवाड़ी वर्करों, हेल्परों को मानदेय समेत विभिन्न सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अच्छे अभिभावक के नाते न केवल देश में सबसे अधिक मानदेय देना सुनिश्चित किया है, बल्कि पूर्व सरकारों से अधिक सुविधा देने का भी काम किया है। सरकार द्वारा दिए जा रहे मान-सम्मान से प्रदेश की हजारों आंगनवाड़ी वर्करों, हेल्परों में अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाने

के लिए उत्साह वृद्धि होगी।

आज यहां जारी बयान में महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आशीर्वाद से अब हरियाणा आंगनबाड़ी वर्करों और हैल्परों को सर्वाधिक मानदेय देने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले नौ साल में हरियाणा सरकार ने आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों के मान-सम्मान को ध्यान में रखते हुए मानदेय में फिर से बढ़ोतरी की है। राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं फील्ड में रहते हुए अनेको चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर अपना कार्य ईमानदारी और निष्ठा के साथ कर रही हैं, ऐसे में हरियाणा सरकार पूरी तरह से आंगनवाड़ी वर्कर्स के साथ है। आगे भी कार्यकताओं की जरूरतों को देखते हुए उन्हें अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

गृह मंत्री अनिल विज के आवास पर फरियादियों का प्रतिदिन लग रहा तांता, राष्ट्रीय पदक विजेता ने लगाई खेल कोटे में नौकरी की गुहार

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़ ।हरियाणा के गृह मंत्री श्री अनिल विज का जनता दरबार आजकल आयोजित नहीं हो रहा है, मगर उनके आवास पर प्रतिदिन फरियादियों का तांता लग रहा है। रविवार अवकाश के दिन भी सैकड़ों की संख्या में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गृह मंत्री अनिल विज ने सुना और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए।

सोनीपत से आई महिला एथलीट ने गृह मंत्री अनिल को अपनी शिकायत देते हुए बताया कि वह राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक विजेता है और प्रदेश सरकार की ओएसपी (उत्कृष्ट खेल व्यक्ति) कोटे के तहत उसे नौकरी अब तक नहीं दी गई है। खिलाड़ी ने बताया कि ओएसपी कोटे के लिए योग्य होने के बावजूद उसके आवदेन को रिजेक्ट किया गया है जबकि उसके साथ के कई खिलाड़ियों को सरकार में नौकरी मिली है। गृह मंत्री अनिल विज ने खिलाड़ी को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और उसके आवेदन को खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को जांच के लिए भेजा।

अम्बाला छावनी के बब्याल निवासी महिला ने दुराचार मामले में कार्रवाई नहीं होने की शिकायत गृह मंत्री से की, जिस पर गृह मंत्री ने अम्बाला एसपी को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। महिला का आरोप था कि डेराबस्सी निवासी आरोपी ने उसके साथ दुराचार किया जबकि शिकायत दर्ज होने के बावजूद अंबाला शहर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी।

जींद निवासी व्यक्ति ने उसके बच्चे को विदेश भेजने के नाम पर ठगी की शिकायत गृह मंत्री अनिल विज के समक्ष की। उसका आरोप था कि अमेरिका भेजने के नाम पर एजेंट ने उनसे 35 लाख रुपए लिए, मगर न तो अमेरिका भेजा गया न ही रूपए वापस लौटाए गए। गृह मंत्री ने कबूतरबाजी के लिए गठित की गई एसआईटी को मामले की जांच के निर्देश भी दिए।

इसी तरह, पानीपत निवासी परिवार ने प्लाट बेचने के नाम पर 34 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए। उनका आरोप था कि प्रापर्टी डीलर ने उन्हें प्लॉट देने के नाम पर 34 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। न ही प्लाट दिया गया न ही उनकी रकम वापस लौटाई गई। गृह मंत्री अनिल विज ने एसपी पानीपत को मामले की जांच के निर्देश दिए। वहीं, गुरुग्राम से आए व्यक्ति ने उसके बेटे व अन्य लोगों पर मारपीट का फर्जी मामला दर्ज होने की शिकायत की। इसके अलावा, यमुनानगर से आई महिला ने उनकी 17 वर्षीय बेटी के लापता होने एवं अन्य मामले आए जिन पर गृह मंत्री अनिल विज ने संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

आज का कार्टून

योगी आदित्यनाथ छठ पूजा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, गोमती तट पर अस्ताचल सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया

दर्पण न्यूज सर्विस

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि छठ पर्व सूर्य देव की उपासना एवं छठ माता की पूजा का पर्व है। यह पर्व भारत की समृद्ध परम्परा का प्रतिनिधित्व करते हुए आमजन की आस्था को व्यक्त करता है। हमारा देश आस्था का देश है। यह आस्था पूरे भारत को एकता के सूत्र में जोड़ती है। इस आस्था ने विपरीत परिस्थितियों में भी पूरे भारत को एकजुट करके रखा है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां लक्ष्मण मेला मैदान, गोमती तट पर आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल षष्ठी को पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, नेपाल की तराई के एक बड़े भू-भाग सहित जहां-जहां भोजपुरी समाज है, छठ पूजा का पर्व मनाया जाता है। चार दिवसीय छठ पूजा के कार्यक्रम को बड़ी निष्ठा व आस्था के साथ हमारी माताएं-बहनें मनाती हैं।

छठ पर्व प्रकृति एवं परमात्मा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का पर्व है। इस पर्व पर व्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य देते हैं, क्योंकि सूर्य देवता के कारण ही जल की राशि हमारे पास आती है। इसलिए व्रती सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर ह्यत्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पयेह्व का भाव व्यक्त करते हैं। जल हमारे जीवन का प्रतीक है। जल को शुद्ध व निर्मल बनाए रखने की हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आयोजन के बाद आयोजकों का दायित्व बनता है कि वह स्वयंसेवकों व प्रशासन की मदद से घाटों, नदियों में साफ-सफाई व स्वच्छता के कार्यक्रमों से जुड़ें। जल है तो जीवन है। हम सभी को जल व प्रकृति की शुद्धता व उसके सौन्दर्य को बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार लोक आस्था के संरक्षण व संवर्धन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। स्थानीय प्रशासन इस प्रकार के आयोजन की व्यवस्था में सहयोगी की भूमिका का निर्वहन करता है। लेकिन जब शासन व प्रशासन का सहयोग नहीं मिलता था, तब भी लोगों ने स्वतः स्फूर्त भाव से इन कार्यक्रमों के साथ जुड़कर लोक आस्था की परम्परा को जीवित बनाए रखने का कार्य किया। यह अत्यन्त अभिनन्दीय कार्य है। लोक आस्था का परिणाम है कि लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों के बावजूद 142 करोड़ की आबादी का भारत उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम एकजुट है। हमारा देश पर्व एवं त्योहारों का देश माना जाता है। अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग परम्पराएं हैं, जो लोक आस्था व विशिष्ट आयोजनों के

साथ आम जनमानस को अपने साथ जोड़ती हैं तथा पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधती हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसी लोक आस्था के लिए 500 वर्षों तक श्रीराम जन्मभूमि के लिए आन्दोलन व संघर्ष हुआ और अन्ततः विजयश्री प्राप्त हुई। जनवरी, 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण का कार्यक्रम सम्पन्न होने जा रहा है। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने गोमती नदी के तट पर अस्ताचल सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रभुनाथ राय, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, सूचना निदेशक श्री शिशिर सहित शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन को पूरी क्षमता अनुसार विकसित करना पंजाब सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में से एक: अनमोल गगन मान

पंजाब दिवस समागम में मुख्य मेहमान के तौर पर की शिरकत, गायिका अफसाना खान ने पेश किया सांस्कृतिक प्रोग्राम

- **पहली बार पंजाब के विरासती मेलों और त्योहारों को सरकार द्वारा मनाया जा रहा है और इसलिए अलग तौर पर 15 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है**

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़/नईं दिल्ली। मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा राज्य में इको-टूरिज्म, एडवेंचर और वाटर स्पोर्टस और पर्यटन को समूचे रूप में विकसित करने को सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में रखने का जिक्र करते हुये पंजाब के पर्यटन, सांस्कृतिक मामले और निवेश प्रोत्साहन मंत्री अनमोल गगन मान ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से इन क्षेत्रों में किये जा रहे प्रयासों से भविष्य में मिसाली नतीजे सामने आऐंगे। कैबिनेट मंत्री अनमोल गगन मान द्वारा यहाँ के प्रगति मैदान में चल रहे भारत-अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2023 के दौरान शनिवार शाम मनाए गए पंजाब दिवस के मौके पर मुख्य मेहमान के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पंजाब में पर्यटन क्षेत्र की समूचे संभावनाओं को उजागर किया जा रहा है जिससे विदेशों में बसते पंजाबी, विदेशी सैलानी, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में से आने वाले लोग पंजाब के ऐतिहासिक और पर्यटन स्थानों और विरासती पहलूओं की समृद्धी का आंनद ले सकें। उन्होंने कहा कि पहली बार है कि पंजाब के विरासती मेलों और त्योहारों को सरकार द्वारा मनाया जा रहा है और इसलिए अलग तौर पर 15 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से करवाया गया टूरिज्म समिट बहुत कामयाब रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य पंजाब को टूरिज्म क्षेत्र में भारत के अन्य राज्यों में अग्रणी स्थान पर लाना है। समागम के दौरान नामवर पंजाबी गायिका अफसाना खान द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम पेश किया गया। इस मौके पर मुख्य मेहमान कैबिनेट मंत्री अनमोल गगन मान को यादगारी चिह्न से सम्मानित किया गया। मुख्य मेहमान की तरफ से संसद मैंबर विक्रमजीत सिंह साहनी, चेयरमैन पी. एस. आई. ई. सी दलवीर सिंह, प्रमुख सचिव पर्यटन और सांस्कृतिक मामले राखी गुप्ता भंडारी, गायिका अफसाना खान, भंगड़ा कलाकार भोला कलेहरी का सम्मान किया गया। अतिरिक्त डायरैक्टर पर्यटन और सांस्कृतिक मामले राकेश कुमार पोपली, प्रशासक पंजाब पैविलियन दविन्दर पाल सिंह, डिप्टी प्रशासक गुरप्रीत सिंह और अन्य उपस्थित थे।

स्कूल में लड़का-लड़की द्वारा आत्महत्या के मामले में दो के खिलाफ मामला दर्ज

दर्पण न्यूज सर्विस

फरीदकोट। फरीदकोट के गांव कलेर के एक सरकारी स्कूल में शुक्रवार को एक लड़की और एक लड़के ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला और एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। दरअसल, यह मामला मृतक बिंदर सिंह की पत्नी की शिकायत पर दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि आत्महत्या करने वाले लड़के की उम्र करीब 30 साल थी और वह शादीशुदा था, जबकि लड़की 20 साल की थी जो अविवाहित थी। मृतकों के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है और दोनों संगरूर के रहने वाले थे। इस घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद मृतक बिंदर सिंह की पत्नी की शिकायत पर एक महिला और एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिन पर आरोप लगे हैं कि धागा फैक्टरी में दोनों मृतक काम करते थे। उसी फैक्टरी के दो कर्मचारी शाम सुंदर और कुलदीप कौर दोनों को उनके प्रेम संबंधों को लेकर बदनाम कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया है। पुलिस ने बिंदर की पत्नी के बयानों पर शाम सुंदर और कुलदीप कौर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसके बाद सदर थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नारकोटिक्स कंट्रोल सेल ने हेरोइन सहित तस्कर किया गिरफ्तार

फिरोजपुर। नारकोटिक्स कंट्रोल सेल फिरोजपुर की पुलिस ने इंस्पेक्टर रुपिंदर पाल सिंह के नेतृत्व में एक कथित नशा तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है । यह जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर रुपिंदर पाल सिंह ने बताया कि जब उनकी पुलिस पार्टी गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग करते हुए फिरोजपुर शहर की जीरा गेट के पास पहुंची तो उन्हें यह गुप्त सूचना मिली के अभी पुत्र महेंद्र सिंह वासी बस्ती शेखां वाली हैरोइन बेचने का धंधा करता है जो इस समय हेरोइन बेचने के लिए दाना मंडी फिरोजपुर शहर के गेट नंबर 1 के पास ग्राहकों का इंतजार कर रहा है तो पुलिस पार्टी द्वारा तुरंत छापामारी करते हुए नामजद व्यक्ति को काबू किया गया जिससे 50 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपों के खिलाफ थाना सिटी फिरोजपुर में एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर एजैंट ने मारी लाखों की ठगी, मामला दर्ज

दर्पण न्यूज सर्विस

जालंधर। आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 2.50 लाख रुपए की ठगी के आरोप में ड्रीम सक्सैस इमीग्रेशन कंस्लटैंट के एजैंट नवदीप कुमार के खिलाफ थाना नई बारादरी में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस कमिश्नर को दी गई शिकायत में अर्चना शर्मा पत्नी राजेश शर्मा निवासी गुरु नानक पुरा जालंधर ने आरोप लगाए कि एजैंट नवदीप कुमार उर्फ राजू पुत्र सुरिंद्र कुमार ने उसके बेटे को विदेश भेजने का झांसा देकर 2 लाख 50 हजार रुपए की ठगी मारी है और पैसे वापिस मांगने पर गाली-गलौच व जान से मारने की धमकियां दी गई है।

उक्त शिकायत की जांच ए.एस.आई. विजय कुमार ने की। उन्होंने अपनी जांच पड़ताल में बताया कि अर्चना शर्मा 2018 में अपने बेटे अनिकेत को विदेश आस्ट्रेलिया भेजना चाहती थी। जिसके चलते वह नवदीप कुमार उर्फ राजू जिसका दफ्तर ड्रीम सक्सैस इमीग्रेशन कंस्लटैंट चौथी मंजिल सिटी स्केयर, जालंधर से मिली। नवदीप कुमार ने उसके बेटे को विदेश आस्ट्रेलिया भेजने के लिए 17 लाख रुपए का कुल खर्चा बताया और अर्चना शर्मा ने उसके झांसे में आकर उसे 2 लाख 50 हजार रुपए नकद उसके आफिस में ही दे दिए। कुछ दिन बीत जाने के बाद ठग एजैंट नवदीप कुमार ने अर्चना शर्मा को कहा कि विक्टोरिया यूनीवर्सिटी आस्ट्रेलिया से मेल आई है और आपके बेटे को जल्द ही आस्ट्रेलिया भेज दिया जाएगा। लेकिन आज तक उसके बेटे का किसी भी तरह का कोई भी वीजा नहीं आया है।

आरोपी को एक पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

रूपनगर। सिंह भगवंतपुर पुलिस ने एक व्यक्ति से एक पिस्तौल और 2 जिंदा कारतूस बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सी.आई.ए. स्टाफ के ए.एस.आई. बलवीर सिंह ने बताया कि उनके नेतृत्व में पुलिस पार्टी गश्त के सिलसिले में रूपनगर से मोरिंडा की तरफ जा रही थी, तभी सुक्की नेहर गांव बहरामपुर जमींदरां के पास आरोपी खड़ा दिखाई दिया, जो पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा, लेकिन उसे काबू कर लिया गया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके नीले रंग के लोअर की बाईं जेब से 32 बोर की एक देसी पिस्तौल बरामद हुई, जिसकी मैगजीन चैक करने पर उसमें से 32 बोर के 2 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी गुरजीत सिंह उर्फ गोगा पुत्र परमजीत सिंह निवासी गांव दबुर्जी जिला रूपनगर को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

संक्षिप्त-समाचार

फेमस होने के चक्कर में युवक-युवती कर रहे थे स्टंट, पुलिस ने किया काबू

लुधियाना। सोशल मीडिया पर फेम्स होने के चक्कर में लोग अपनी जान जोखिम में डाल अलग-अलग स्टंट करते रहते हैं। ऐसे ही एक मामला लुधियाना में एलिवेटिड रोड के करीब बने घंटाघर का सामने आया है। आपको बता दें कि घंटाघर में काफी लाइटिंग की होती है जहां लोग अपनी जान जोखिम में डालकर वीडियोग्राफी करते नजर आते हैं। इस संबंध में पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर रेड की। पुलिस को सूचना मिली थी कि घंटाघर के सामने युवक-युवतियां अपनी जान जोखिम में डालकर वीडियो बना रहे है। सूचना मिलते ही एस.एच.ओ. गगनदीप के नेतृत्व में पी.सी.आर. दस्ता एलिवेटिड रोड पर भेजा। मौके पर पहुंची पुलिस ने ब्रिज के दोनों तरफ से घेरा डालकर 3 युवकों व एक युवती को काबू किया। युवकों को पुलिस थाने ले गई। युवती अपने पिता के साथ वहां आई थी जिसके चलते उसके पिता ने माफी मांगी और युवती को घर भेज दिया गया। वहीं आपको बता दें कि एलिवेटिड ब्रिज पर वाहन बहुत तेजी से गुजरते हैं जिससे वहां हर समय बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। गौरतलब है कि लोग रील बनाकर वीडियो पर लाइक पाने के लिए जान जोखिम में डाल रहे हैं।

मनी एक्सचेंजर भाइयों से लूट का मामला, एसएचओ के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई

लुधियाना। मनी एक्सचेंज का काम करने वाले 2 भाइयों से खिलौना पिस्तौल दिखाकर लूट की वारदात को अंजाम देने के मामले मे पुलिस कमीशन की तरफ से थाना मॉडल टाउन की एस.एच.ओ. को ससपेंड कर दिया गया है। ए.सी.पी. सिविल लाइन आई. पी. एस. जसरूप कौर ने बताया कि एस. एच. ओ गुरशिन्दर कौर क्राइम कंट्रोल करने मे असमर्थ थी, इसी के चलते यह सख्त कदम उठाया गया है, अभी किसी ओर को उसकी जगह तैनात नहीं किया गया है।

दो पक्षों में जमकर चले ईंट-पत्थर, लोगों में फैली दहशत

मोगा। पंजाब के मोगा जिले में दो पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर जमकर ईंट-पत्थर से वार करने का समाचार प्राप्त हुआ है। जानकारी के अनुसार यह घटना मोगा जिले के कस्बे निहाल सिंह वाला के वार्ड नम्बर 9 की है। इस संबंधी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो पक्षों के बीच पटाखा चलाने को लेकर झगड़ा हुआ था, लेकिन यह विवाद इतना बढ़ गया कि इन्होंने एक-दूसरे के ऊपर शरेआम ईंट-पत्थरों से वार करना शुरू कर दिया। यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहा। मौके की तस्वीर इतनी भयानक है कि पुरे मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया है।

वारदात की फिराक में था लुटेरा, अवैध पिस्तौल सहित चढ़ा पुलिस के हत्थे

फिरोजपुर। थाना सिटी फिरोजपुर की पुलिस ने ए.एस.आई. रमन कुमार के नेतृत्व में एक कथित लुटेरे को 30 बोर के अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुए थाना सिटी फिरोजपुर के एस.एच.ओ. इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि जब थाना सिटी की पुलिस पार्टी ए.एस.आई. रमन सिंह के पास नेतृत्व में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग करते हुए खाएई वाला बस अड्डा के पास पहुंची तो उन्हें यह गुप्त सूचना मिली कि विक्की पुत्र जोगिंदर वासी बस्ती भट्टियां वाली के पास अवैध पिस्तौल है जो किसी लूट की घटना को अंजाम देने के लिए किला रोड पर एक डेयरी और झाड़ियों मके पास घूम रहा है तो रमन कुमार के नेतृत्व में पुलिस पार्टी ने तुरंत बताई गई जगह पर रेड करते हुए नामजद व्यक्ति को काबू किया जिससे तलाशी लेने पर एक 30 बोर का अवैध पिस्तौल बरामद हुआ । उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी के खिलाफ थाना सिटी फिरोजपुर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है ।

सेंट्रल जेल फिर से सुर्खियों में, मिला अवैध सामान, मामला दर्ज

तरनतारन। करोड़ों की लागत से बनी सेंट्रल जेल श्री गोइंदवाल साहिब एक बार फिर सुर्खियों में है। जानकारी के मुताबिक सेंट्रल जेल श्री गोइंदवाल साहिब के सहायक सुपरिंटेंडेंट मनजीत सिंह की ओर से चलाए गए सर्च अभियान के दौरान 7 मोबाइल, 8 लोहे की पत्तियां, 400 नशीली गोलियां, 6 डेटा केबल, 2 हेड फोन व 2 सिम बरामद किए गए हैं। उधर, पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बारे में जानकारी देते हुए डी.एस.पी. श्री गोइंदवाल साहिब रवि शेर सिंह ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दहेज की खातिर ससुराल वालों ने गर्भवती बहू पर ढाया कहर

बटाला। थाना फतेहगढ़ चूड़ियां की पुलिस द्वारा पति, सास व ससुर के विरुद्ध विवाहिता से दहेज मांगने, उसकी मारपीट करने और उसका गर्भपात करवाने के आरोप में केस दर्ज करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस को दी दरख्वास्त में पीड़िता मनप्रीत कौर पुत्री सुखजीत सिंह निवासी वार्ड नंबर 9, निकट पुराना बस स्टैंड, फतेहगढ़ चूड़ियां ने लिखवाया है कि मई 2018 में हुई उस शादी रविशेर सिंह पुत्र सविंदर सिंह निवासी सराएं, थाना मत्तेवाल, जिला अमृतसर देहाती के साथ हुई थी। शादी के दौरान उसके मायके परिवार द्वारा दहेज के रूप में सोना, फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान सहित पैसे भी दिए गए थे। पीड़िता अनुसार शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करना एवं उसकी मारपीट करनी शुरू कर दिया। मनप्रीत कौर ने आवेदन में यह भी कहा है कि वह दो बहनें होने के कारण उसके ससुराल वाले उसकी संपत्ति में हिस्सा मांगते रहे और उसके गर्भ में पल रहे 18 सप्ताह के बच्चे का उसकी बेहोशी की हालत में गर्भपाल भी करवा दिया।

तेज रफ्तार कार ने 2 महिलाओं को कुचला

खन्ना। थाना मलौद के गांव लहल में तेज रफ्तार ने मनरेगा में सड़क किनारे सफाई का काम कर रही दो महिलाओं को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक महिला ने छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। मृतक महिलाओं की पहचान बुधा (70) और बलजिंदर कौर (55) निवासी लहल के तौर पर हुई है। अपनी जान बचाने वाली महिला ने बताया कि 3 महिलाएं सफाई कर रही थीं। इसी बीच स्विफ्ट कार तेज रफ्तार से आई। उसका चालक मोबाइल पर बातें कर रहा था, जिसने सीधे कार को 2 महिलाओं पर चढ़ा दिया। उसने रजबाहे में छलांग लगाकर जान बचाई। चालक कार से दोनों महिलाओं को काफी दूर तक घसीटता ले गया, जिससे दोनों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी। मोबाइल पर बातें करते जब तक चालक का ध्यान सामने पड़ा, तब तक उसका कार पर कंट्रोल नहीं रहा और उसने सीधे महिलाओं पर चढ़ा दी। हादसे के बाद उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने वहां आकर स्थिति को संभाला और लोगों को शांत किया।

कटहरा मोहल्ले में गोलीकांड का मामला, पूछताछ के दौरान हुआ अहम खुलासा

दर्पण न्यूज सर्विस

जालंधर। एंटी नार्कोटिक्स स्टाफ (सी.आई.ए. स्टाफ 2) की पुलिस पार्टी ने युवक को मारने की नीयत से उस पर अवैध हथियार से गोलियां चलाने के आरोप में 1 आरोपी को गिरफ्तार कर उससे 32 बोर का अवैध पिस्तौल व 3 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

आरोपी से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है कि उसने इंदौर से अवैध हथियार खरीदे थे। डी.सी.पी इंवेस्टीगेशन हरविंद्र सिंह विर्क ने बताया दविंद्र पाल सिंह निवासी मखदूमपुरा ने थाना बस्ती बावा खेल की पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि 14 नवंबर की रात करीब साढ़े 9 बजे वह कटहरा मोहल्ला स्थित अपनी बुआ के घर के बाहर खड़ा था, तभी इतने में परमजीत सिंह उर्फ प्रिंस बाबा निवासी धोबी मोहल्ला अपने साथियों बब्बू, विशाल दूबे,,आकाश, गोपी के साथ स्विफ्ट कार में सवार होकर आया, जिन्होंने उसे मार देने की नीयत पर उस पर रंजिशन गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने थाना बस्ती बावा खेल में पीड़ित पक्ष के बयानों पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। डी.सी.पी हरविंद्र सिंह विर्क ने बताया कि मामले की जांच एंटी नारकोटिक सैल (सी.आई.ए 2) की पुलिस को सौंपी गई, जिसके चलते नारकोटिक्स सैल के इंचार्ज इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने पुलिस पार्टी सहित गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी परमजीत सिंह उर्फ प्रिंस बाबा को गिरफ्तार करके उससे वारदात में इस्तेमाल अवैध हथियार व 3 जिंदा कारतूस बरामद किए।

हत्या की कोशिश मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

कपूरथला। थाना अर्बन एस्टेट की पुलिस ने हत्या की कोशिश करने के मामले में वांछित एक आरोपी को छापेमारी के दौरान गिरफ्तार कर आरोपी से एक अवैध पिस्तौल तथा मैगजीन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है। जानकारी के अनुसार एस.एस.पी. कपूरथला वत्सला गुप्ता के आदेशों पर जिले भर में चलाई जा रही अपराध विरोधी मुहिम के तहत एस.पी. (डी.) रमनिंद्र सिंह तथा डी.एस.पी. (सब डिवीजन) सतनाम सिंह की निगरानी में थाना अर्बन अस्टेट के एस.एच.ओ. केवल सिंह ने अपनी टीम के साथ नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि वांछित आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ सनी उर्फ दोधी निवासी नवा पिंड गेट वाला, हाल निवासी शालीमार एवेन्यू कपूरथला, जिसके खिलाफ अशोक कुमार पुत्र रुलदू राम निवासी मुश्कवेद कपूरथला ने मामला दर्ज करवाया था। इस समय अपनी कार में घूम रहा है। इसके आधार पर जब अर्बन एस्टेट पुलिस ने मौके पर छापेमारी की तो पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी हरप्रीत सिंह को काबू कर लिया।

सीएम भगवंत मान के ओएसडी मनजीत सिद्धू ने अचानक दिया इस्तीफा

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। वर्षों से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथी रहे मनजीत सिंह सिद्धू ने ओ.एस.डी. टू सी.एम. पंजाब के पद से इस्तीफा दे दिया है। शुक्रवार को भेजे गए इस्तीफे को मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद मंजूर भी कर लिया गया है। यह पूरा घटनाक्रम काफी अप्रत्याशित रहा और राजनीतिक गलियारों में यह काफी चौंकाने वाली खबर रही क्योंकि मनजीत सिंह सिद्धू और (मुख्यमंत्री) भगवंत सिंह मान न सिर्फ सुनाम में एक ही कालेज में पढ़े और साथ रहे बल्कि जब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी, तभी से मनजीत सिंह सिद्धू उनके लिए मीडिया को-ऑडीर्नेटर के तौर पर जिम्मेदारी निभाते रहे थे। मनजीत सिंह सिद्धू ने निजी कारणों का हवाला देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी टू सी.एम. पंजाब के पद से अपना इस्तीफा शुक्रवार को भेज दिया था, जिसके बाद औपचारिक तौर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मंजूरी मिलने के बाद मुख्य सचिव द्वारा आम राज प्रबंध विभाग को भेजा गया और वहां से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. के तौर पर नियुक्ति होने से पहले मनजीत सिंह सिद्धू पार्टी के लिए पंजाब विधानसभा में कार्यालय सचिव के तौर पर भी काम करते रहे थे। मुख्य विपक्षी पार्टी के तौर पर आम आदमी पार्टी के लिए मीडिया को-ऑडीर्नेट करने के साथ-साथ आप पार्टी के इवैंट्स की देखरेख भी करते रहे थे।

सरपंच और पंच को अलग-अलग कामों में घपले करने के कारण किया सस्पेंड

दर्पण न्यूज सर्विस

पटियाला/सनौर। डायरेक्टर ग्रामीण विकास व पंचायत विभाग पंजाब ने गांव फग्गणमाजरा के सरपंच सुखविन्दर सिंह, और पंच हरिन्दर सिंह द्वारा अलग अलग कामों में किए घपलों के कारण इन दोनों को तुरंत प्रभाव के साथ सस्पेंड कर दिया है। डायरेक्टर की तरफ से किए आदेशों के अनुसार पंचायती राज्य एक्ट 1994 की धारा 20 (5) अधीन सस्पैंड होने वाला सरपंच व पंच पंचायत की किसी भी कार्रवाई में हिस्सा नहीं ले सकता तथा उसकी सस्पेंड समय दौरान पंचायत का रिकार्ड व पंचायती फंड के अन्य जायदाद के चार्ज ऐसे पंच को या सरकारी अधिकारी को दिए जाएंगे तथा बीडीपीओ पटियाला द्वारा मीटिंग करके ही कोई इंचार्ज चुना जाएगा। डायरेक्टर ने इसके साथ ही बीडीपीओ को आदेश किए हैं कि जिन बैंकों में ग्राम पंचायत के नाम खाते चलते हैं, उनके पास से चार्ज लेकर डायरेक्टर रिपोर्ट करें।

सरपंच और पंच ने बनवाए हुए थे नीले कार्ड

डिविजनल डिप्टी डायरेक्टर और बीडीपीओ पटियाला ग्रामीण विकास द्वारा शिकायतकर्ता जसवीर सिंह की तरफ से जो दोष लगाए गए थे। उनमें यह भी स्पष्ट था कि सरपंच और पंच ने मालकी की जमीन होने के बावजूद भी नीले कार्ड बनवाए हैं और सुविधाएं ले रहे हैं। जांच में यह दोष भी सिद्ध हो गए। इसके अलावा इन्होंने कंक्रीट की पक्की बनीं गलियों पर इंटरलाकिंग टाईलें बना दीं, जिसके साथ 4 लाख 93 हजार 567 रुपए खराब हुए। इसके बिना इन पेड़ काटने का दोष भी सिद्ध हो गया। सरपंच और पंच को भी जांच में अपना स्पष्टीकरण देने का मौका दिया गया परन्तु दो सीनियर अधिकारियों की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इन पर लगे दोष बिल्कुल ठीक हैं। डिविजनल डिप्टी डायरेक्टर ने जांच उपरांत यह रिपोर्ट डायरेक्टर ग्रामीण विकास को सबमिट की कि सरपंच और पंच ने जहां लाखों रुपए खराब किए हैं, वहां इन पर पेड़ काटने का दोष भी सिद्ध हुआ है।

सुरक्षा आवश्यकता पड़ने पर इनकी मात्रा को घटाया और बढ़ाया भी जा सकता है

गुरु नगरी में तैनात होंगी मोबाइल टीमें, लूटपाट करने वालों की खैर नहीं

दर्पण न्यूज सर्विस

अमृतसर। सरे-राह चलते लोगों को लूट लेने और छोटी-छोटी बातों पर गोली की भाषा बोलने वालों के लिए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दिन-रात सड़कों पर मोबाइल टीमें उतारने की प्लॉनिंग को अंतिम रूप दे दिया है। मात्र 24 घंटों के अंदर-अंदर यह टीमें अमृतसर पुलिस के कप्तान नौनिहाल सिंह का इशारा पाते ही किसी समय भी सड़कों पर दौड़ पड़ेगी। एक दर्जन के करीब पुलिस की मोबाइल टुकड़ियों की व्यूह-रचना इस प्रकार से की जा रही है कि अपराधी को इस बात का पता ही नहीं चल सकेगा कि पुलिस की टीमें कब और किस मोड़ पर उनके आपराधिक रास्तों के सामने आ जाएं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं अमृतसर कमिश्नर नौनिहाल सिंह आईपीएस की मास्टर प्लानिंग और ट्रेनिंग के तले की जा रही इन टीमों की तैनाती 24 घंटे सड़कों पर रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर इनकी मात्रा को घटाया और बढ़ाया भी जा सकता है। पिछले त्यौहारी दिनों में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस का फोकस ज्यादातर धार्मिक स्थानो पर होता था जहां पर अलग-अलग समुदाय के लोग दर्शन करने हेतु इकट्ठे होते थे। कम स्थान पर अधिक लोगों की गिनती अथवा भीड़-भाड़ होने के कारण पुलिस की जिम्मेदारी उनकी सुरक्षा पर और भी सख्त हो जाती है। इसका लाभ उठाकर भी कुछ शातिर लोग वारदात करने में सफल हो जाते हैं अथवा अपनी रंजिश निकलते हैं। त्यौहारों के दिन निकल जाने के बाद अब पुलिस के पास उपयुक्त फोर्स और कमांडो के जवान हैं, जो इन अपराधी लोगों को सही रास्ता दिखाएंगे।

इंटरजोन टीमें हो चुकी है तैयार

पुलिस की मास्टर प्लॉनिंग में यह इंटरजोन टीमें केवल एक ही जोन में काम नहीं करेगी बल्कि समय-समय पर यह दूसरे जोन में आती-जाती रहेंगी। उदाहरण के तौर पर यदि एक टीम अमृतसर जोन नंबर (1) में चल रही है तो आपसी तालमेल के बीच जोन नंबर (3) की टीम (1) में और (1) की टीम जॉन नंबर (2) में होगी। एक से दूसरे जोन जाते और आते समय सभी मोबाइल टीमें अलग-अलग रास्तों का प्रयोग करेंगी। इन परिस्थितियों में बड़े से बड़े अपराधी के लिए भी देर रात के अंधेरे में बाहर निकलना आसान नहीं होगा।

आपस में रहेगी मोबाइल टीमों की कोऑर्डिनेशन

गठित की गई इन मोबाइल टीमों का आपस में पूरा तालमेल होगा और यदि किसी भी स्थान पर शंका अथवा खतरे की संभावना दिखाई देती है तो पूरी टीमें एक ही स्थान पर पहुंच सकती हैं। वहीं यदि कोई गुस्ताख-अपराधी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करता है तो उसे घेरने का भी पूरा प्रबंध किया जाएगा, जिसमें पुलिस टीमें तुरंत लाइव लोकेशन आपस में शेयर करेंगी। कुल मिलाकर पुलिस अपराधियों पर अपना दबाव बनाना चाहती है, ताकि कोई अपराधी बाहर निकलने से पहले दस बार सोचे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा

स्व. गीता शर्मा

संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड प्रेस, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय

801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।

संपर्क: 7888450261

Email: citydarpan1@gmail.com

भाजपा ने सुशासन और गरीब कल्याण की सरकार दी:सैनी

प्रदीप शर्मा

यमुनानगर। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा है कि नौ वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के लिए अनेकों कार्य किए हैं। इससे सिर्फ देश की तस्वीर ही नहीं बल्कि तकदीर बदल गई है। नायब सैनी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर सिर्फ लोगों को गुमराह करने वाली पार्टी है, लेकिन भाजपा जो भी दावे करती है उसे पूरा करके दिखाती है। प्रदेश अध्यक्ष श्री सैनी शनिवार को यमुनानगर में पार्टी कार्यालय ह्यह्ययमुना कमलह्लह्ल में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री कंवरपाल, विधायक घनश्यामदास अरोड़ा, जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कर्णदेब काम्बोज ,जिला प्रभारी धूमनसिंह किरमच व अन्य पदाधिकारियों ने श्री सैनी का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। नागरिक अभिनंदन समारोह में पहुंचने से पहले श्री सैनी का रादौर व जगाधरी में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। नागरिक अभिनंदन समारोह में स्वागत से गदगद नायब सैनी ने सभी का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे यमुनानगर के लोगों का है और इस सम्मान को कभी कम नहीं होने दूंगा। नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में तेजी से व्यवस्था में बदलाव हुआ है। भाजपा सरकार की सर्वांगीण विकास की सोच का परिणाम है कि आज लोगों का जीवन सरल हुआ है और घर बैठे ही मूलभूत सुविधाएं मिल रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने देश और प्रदेश हित में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों से देश और प्रदेश की दशा-दिशा बदली है। इन फैसलों से जन आकांक्षाओं की पूर्ति हुई साथ विश्व पटल पर देश की छवि मजबूत हुई। श्री सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प, उज्जवला योजना के तहत गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर देकर धूंआ से मुक्ति दिलाना, शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं का सम्मान बढ़ाना और हर घर में नल से जल पहुंचाने जैसे निर्णयों से लोगों का जीवन सरल हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से कराए जा रहे कार्यों की प्रशंसा हर तरफ हो रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कल्पना से परे जनहित के काम किए हैं। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए श्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाने का झूठा नारा दिया था। 55 सालों तक कांग्रेस ने गरीब का कोई भला नहीं किया, उलटा गरीबों से दूर भागती रही। कांग्रेस शासनकाल में गरीब व्यक्ति मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता था। भाजपा की मोदी और मनोहर सरकार ने अंत्योदय की नीति पर चलते हुए गरीब लोगों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है।

इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ,भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, जिला प्रभारी धूमनसिंह किरमच,नगर निगम मेयर मदन चौहान ,जिला परिषद अध्यक्ष रमेश चंद ठस्का, जिला महामंत्री कृष्णा सिंगला ,जिला महामंत्री सुरेंद्र बनकट, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र चावला, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बंतो कटारिया,पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद मंडल ,प्रदेश सचिव ईश्वर पलाका, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कर्णदेव काम्बोज,युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा,जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग, सीताराम मित्तल करनेश शर्मा, प्रवीण शर्मा पिन्नी, आदि साथ रहे।

किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, कर्जा 3 गुना हो चुका है : डॉ. सुशील गुप्ता

सुशील गुप्ता ने प्रदेश में किसानों की व्यथा को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने शनिवार में प्रदेश में किसानों की दयनीय स्थिति को लेकर खट्टर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार में हरियाणा के किसानों पर कर्जे का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। बीजेपी की सरकार में 2022 तक किसानों की आय दुगने करने के वादे जुमले ही बनकर रह गए हैं, किसानों का कर्ज तीन गुना बढ़ गया। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री के गृह जिले भिवानी समेत प्रदेश के अधिकतर जिलों में कर्जदार किसानों की संख्या तीन गुना हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार में प्रदेश का किसान कर्ज के बोझ के नीचे दब गया है। जहां 2022 में 6 लाख 58 हजार किसानों ने कर्ज लिया था, वहीं 2023 में 11 लाख 49 हजार किसान कर्जदार बन गए हैं। किसानों को खट्टर सरकार में न एमएसपी मिला, न मुआवजा मिला और अगर सड़कों पर प्रदर्शन किया तो सिर्फ लट्ठ मिले। हालत ये हो गए हैं कि पिछले एक वर्ष में ही पांच लाख से ज्यादा किसान कर्जदारों की सूची में जुड़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार का पिछले 9 सालों से किसानों के साथ पोर्टल पोर्टल का खेल चल रहा है। फसल का बीमा करवाना है तो पोर्टल, फसल की बिक्री करनी है तो पोर्टल और खराब फसल का मुआवजा लेना है तो पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। खट्टर सरकार ने किसानों की मदद करने की बजाय उनको पोर्टल में उलझा कर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान खट्टर सरकार से इस कदर परेशान है कि किसानों ने बीजेपी नेताओं को गांव में घुसने तक से मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खट्टर किसानों से दुश्मनी निभाना बंद करें और किसान हित में सोचकर उनकी मदद करें, नहीं आने वाले समय में किसान ही बीजेपी को आईना दिखाने का काम करेंगे।

भाजपा लोकसभा चुनाव में हरियाणा की सभी 10 सीटों पर विजय दर्ज करेगी तथा पार्टी को पूर्ण बहुमत प्राप्त कर हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बनेगी:सैनी

दर्पण न्यूज सर्विस

यमुनानगर। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी अपने जिला यमुनानगर के दौरे के अंतर्गत सढौरा विधानसभा क्षेत्र के गांव तलाकोर पहुंचे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी के गांव तलाकोर पहुंचने पर उनका स्वागत पूर्व विधायक बलवंत सिंह सढौरा, जिला परिषद चेयरमैन रमेशचंद ठसका, नगरपालिका चेयरपर्सन शालिनी शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बंतो कटारिया व भाजपा नेताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी ने भाजपा कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य भाजपा सरकार असमर्थ और वंचित वर्गों के व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और समाज में सामाजिक व आर्थिक समरसता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सरकार का प्रयास है कि अंत्योदय परिवार के सदस्यों का कौशल विकास हो ताकि वे अपना स्वयं का काम शुरू करने में सक्षम बनें। इसके लिए गरीब परिवारों को ऋण स्कीमों, कौशल विकास स्कीमों और निजी या विभिन्न विभागों में रोजगार और दूसरी सुविधाओं के साथ जोड़ा गया है। समाज का एक बहुत बड़ा तबका पिछली विपक्षी सरकार के दौरान उपेक्षित था। उसे वर्तमान भाजपा सरकार ने विकास की धारा से जोड़ा है और सरकारी खजाने के दरवाजे उसके लिए खोल दिए हैं। इस दौरान पूर्व विधायक बलवंत सिंह सढौरा, जिला परिषद चेयरमैन रमेशचंद ठसका, भाजपा प्रदेश सचिव ईश्वर पलाका, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बंतो कटारिया, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दाताराम, जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला, जिला महामंत्री सुरेंद्र बनकट, चेयरपर्सन शालिनी शर्मा, मंडल अध्यक्ष रणधीर राणा, अध्यक्ष चंद्र मोहन कटारिया, अध्यक्ष पवन सैनी ,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पुनित बिंदल, किसान मोर्चा प्रदेश जसविंदर सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन भसीन, सरपंच संजीव कुमार, पूर्व चेयरमैन विपिन सिंगला, भाजपा नेता प्रदीप सैनी, रामकरण, जॉनी खानपुर, प्रेमसैनी, कृष्ण सनी, लाल सिंह, भाजपा नेता कीमत पाल चोपड़ा, पार्षद विनीत कौर, पार्षद सरबजीत रघुवंशी, भाजपा नेता विपिन साहनी, गौरव सैनी, चेयरमैन रविन्द्र राणा, भाजपा जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग, प्रदेश आईटी आदित्य चावला, युवा नेता सुमित दुआ व युवा नेता दीपक छाबड़ा साथ रहें।

प्रसिद्ध पहलवान दारा सिंह के जन्मदिवस पर उन्हे याद किया

दर्पण न्यूज सर्विस

रादौर। जाटसभा रादौर की ओर से रविवार को दुनिया के प्रसिद्ध पहलवान दारा सिंह के जन्मदिवस पर उन्हे याद किया गया। जाटसभा के प्रधान एडवोकेट सुरेशपाल बंचल ने कहा कि दारा सिंह का जन्म 19 नवंबर 1928 को पंजाब के अमृतसर के धरमूचक गांव के जाट-सिख परिवार में हुआ था। उस समय देश में अंग्रेजों का शासन था। दारा सिंह के पिता जी बाहर रहते थे। उन्होने बताया कि दारा सिंह को बचपन से ही पहलवानी का शौक था। अपनी किशोर अवस्था में दारा सिंह दूध व मक्खन के साथ 100 बादाम रोज खाकर कई घंटे कसरत व व्यायाम में गुजारा करते थे। दारा सिंह ने अपने घर से ही कुश्ती की शुरूआत की। दारा सिंह और उनके छोटे भाई सरदारा सिंह ने मिलकर पहलवानी शुरू कर दी और धीरे-धीरे गांव के दंगलों से लेकर शहरों में कुश्तियां जीतकर अपने गांव का नाम रोशन करना शुरू कर दिया और भारत में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश में जुट गए। दारा सिंह ने अखाड़े में पहलवानी सीखी। उस दौर में दारा सिंह को राजा महाराजाओं की ओर कुश्ती लड़ने का न्योता मिला करता था। हाटों और मेलों में भी कुश्ती की और कई पहलवानों को पटखनी दी। दारा सिंह अपने जमाने के विश्व प्रसिद्ध फ्रीस्टाइल पहलवान रहे। साठ के दशक में पूरे भारत में उनकी फ्री स्टाइल कुश्तियों का बोलबाला रहा। भारत की फ्रीस्टाइल रेसलिंग में दुनिया भर के पहलवानों को चित्त करने के बाद दारा सिंह 1954 में भारतीय कुश्ती चैंपियन बने। इसके बाद उन्होंने कॉमनवेल्थ देशों का दौरा किया और विश्व चैंपियन किंग कॉन्ग को भी धूल चटा दी। 29 मई 1968 को पराजित कर फ्रीस्टाइल कुश्ती के विश्व चैंपियन बन गए। कुश्ती का शहंशाह बनने के इस सफर में दारा सिंह ने पाकिस्तान के माजिद अकरा, शाने अली और तारिक अली, जापान के रिकोडोजैन, यूरोपियन चैंपियन बिल रॉबिनसन, इंग्लैंड के चैपियन पैट्रॉक समेत कई पहलवानों का गुरूर मिट्टी में मिला दिया। 1983 में कुश्ती से रिटायरमेंट लेने वाले दारा सिंह ने 500 से ज्यादा पहलवानों को हराया और खास बात ये कि ज्यादातर पहलवानों को दारा सिंह ने उन्हीं के घर में जाकर चित किया। उनकी कुश्ती कला को सलाम करने के लिए 1966 में दारा सिंह को रुस्तम-ए-पंजाब और 1978 में रुस्तम-ए-हिंद के खिताब से नवाजा गया। दारा सिंह ने करीब 36 साल तक अखाड़े में पसीना बहाया और अब तक लड़ी कुल 500 कुश्तियों में से दारा सिंह एक भी नहीं हारे। सीरियल रामायण में हनुमान के किरदार ने उन्हें घर-घर में ऐसी पहचान दी। 1986 में रामानंद सागर के सीरियल रामायण में दारा सिंह हनुमान के रोल में ऐसे रच-बस गए कि इसके बाद कभी किसी ने किसी दूसरे कलाकार को हनुमान बनाने के बारे में सोचा ही नहीं। दारा सिंह का 84 साल की उम्र में दिल का दौरा पडऩे से 12 जुलाई 2012 को निधन हुआ। इस प्रकार एक सफल पहलवान, एक सफल अभिनेता, निर्देशक और निमार्ता के तौर पर दारा सिंह ने अपने जीवन में बहुत कुछ पाया और साथ ही देश का गौरव बढ़ाया।

अखिल भारतीय कांबोज युवा महासभा ने अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया

रादौर। अखिल भारतीय कांबोज युवा महासभा की ओर से रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महासभा के प्रधान राजीव आर्य सन्नी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की तरह हर साल 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है। जिस उत्साह और सपोर्ट के साथ महिला दिवस मनाया जाता है, उस तरह का एक्साइटमेंट व क्रेज पुरुष दिवस के लिए देखने को नहीं मिलता। उन्होने बताया कि यह दिन मुख्य रूप से पुरुषों को भेदभाव, शोषण, उत्पीड़न, हिंसा और असमानता से बचाने और उन्हें उनके अधिकार दिलाने के लिए मनाया जाता है। लगभग दुनिया के 80 देशों में 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर को मनाया जाने वाला एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम है। उन्होने बताया कि दुनिया में महिलाओं से 3 गुना ज्यादा पुरुष सुसाइड करते हैं। 3 में से एक पुरुष घरेलू हिंसा का शिकार है। महिलाओं से 4 से 5 साल पहले पुरुष की मौत होती है। महिलाओं से दोगुना पुरुष दिल की बीमारी के शिकार होते हैं। पुरुष दिवस पुरुषों की पहचान के सकारात्मक पहलुओं पर काम करता है। इस दिवस को न मनाने का मुख्य कारण जागरूकता की कमी है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में 26वें रक्तदान मेले का आयोजन किया

दर्पण न्यूज सर्विस

रादौर। शहर के जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में रविवार को 26वें रक्तदान मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 781 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। मेले में एम्स, नई दिल्ली,पीजीआई चण्डीगढ़, व ट्रामा सेंटर यमुनानगर की टीमों द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। साल 1997 से संस्थान में चल रहे रक्तदान मेलों से अब तक 11 हजार से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किए जा चुके हैं । मुकन्द संस्थानों में हर साल 14 से अधिक मेलों का आयोजन किया जाता है जिसमें अब तक 56 हजार से अधिक रक्त के यूनिट दान किए जा चुके हैं। जेएमआईटी अपने सामाजिक कार्यों के लिए पहले से ही जाना जाता है । रक्तदान भी इसी कड़ी का एक अंग है। अन्य सामाजिक कार्यों में सांसद ग्राम योजना के तहत सड़क सुधार करना, पांच गांवों को गोद लिया हुआ है जिसमें मुफ्त दवाईयां और अन्य जरूरत की चीजें समय समय पर दी जाती हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने कहा कि संस्थान में ऊर्जा संरक्षण व नवीनकरण के संदर्भ में 290 किलोवाट का सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किया है जो कि ऊर्जा बचाने में बहुत सहायक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बायोगैस प्लांट, सोलर वाटर हीटरस, रेन वाटर हारवेस्टर, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि लगाए गए हैं। उन्होनें बताया कि संस्था के चेयरमैन सेठ अशोक कुमार सेव ब्लयू, डोनेट रैड, स्प्रैड ग्रीन की पॉलिसी पर काम कर रहे हैं और इस के अन्तर्गत संस्थान में निरन्तर गतिविधियां होती रहती हैं। कोरोना काल में गरीब परिवारों को जरूरत की चीजें जैसे राशन इत्यादि के पैकेट संस्थान द्वारा मुहैया करवाए गए थे। संस्थान में जरूरतमंद स्टाफ सदस्यों को कपड़े कंबल व राशन उपलब्ध करवाया जाता है। इस प्रकार संस्थान अपने आप में समाज सेवा का स्त्रोत बन गया है जहां पर समाज की भलाई हेतू विभिन्न स्तरों पर योगदान दिया जाता रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने आए हुए अतिथियों मुकंद शिक्षण संस्थानों के चैयरमैन सेठ अशोक कुमार, प्रबन्धन समिति के सदस्यों पं ज्ञानप्रकाश शर्मा, प्रमोद बंसल व अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत किया। एनसीसी व एनएसएस कैडटस ने रक्तदान मेले का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसमे छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। रक्तदान मेले के उदघाटन सफल आयोजन के लिए मुकन्द लाल शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन सेठ अशोक कुमार व महासचिव डॉ. रमेश कुमार ने बधाई दी और सामाजिक कार्यों में छात्रों के योगदान की प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. रमेश कुमार, डॉ. एसके गर्ग, निदेशक जेएमआईटी, डॉ. विवेक शर्मा, निदेशक जेएमईटीआई, डॉ. रिषी शर्मा, डॉ. यूपी सिंह, विकास जुनेजा, डॉ. विकास भारद्वाज, पंकज शर्मा, डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. एलएस रीन, डॉ. वंदना, अकुंश सिंगला, अनुजा गोयल आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का काम किया

रादौर। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का काम किया है। किसानों को फसल बीमा योजना के माध्यम से फसलों के खराब होने के डर से आजादी मिली है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत सीधा पैसा किसानों के खाते में जा रहा है। जिससे बिचौलिये किसानों के हक का पैसा न खा सके। यह शब्द नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने रादौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारवार्ता में कहे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों के लिए कार्य कर रही है। पहले की सरकारों में किसानों को फसल खराब होने पर खून के आंसू रोने पड़ते थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने 2009 में किसानों को केवल 2 रुपये, 9 रुपये के चेक देकर उनका अपमान करने का काम किया था। भाजपा सरकार ने किसानों की मेहनत व लागत से तैयार फसलों का बीमा करवा दिया है। जिससे किसानों को खराब फसलों का मुआवजा मिल सके। सरकार ने आम जनता को मजबूत करने के लिए किसी भी योजना का लाभ सीधे उनके खाते में जाता है। नकली शराब के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में नकली शराब का धंधा करने वाले बच नहीं पायेंगे। उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नशे के खात्मे के लिए साइकिल यात्रा शुरू की है। जिससे युवा नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक हो सके। भाजपा 5 राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने का काम करेगी। प्रदेश में भी डबल इंजन की सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है। चुनावों को लेकर भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता मेहनत कर रहा है। जिससे भाजपा पार्टी तीसरी बार देश व प्रदेश में सरकार बनाने का काम करेगी।

कन्या भ्रूण हत्या की सूचना देने पर मिलेगा 1 लाख का इनाम, गुप्त रखा जाएगा सूचना देने वाले का नाम-डीसी

दर्पण न्यूज सर्विस

यमुनानगर। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों की सही सूचना देने वालों को सरकार द्वारा एक लाख रुपये तक का इनाम दिया जाएगा। ऐसी सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार व प्रशासन की ओर से कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत पंजीकृत सैंटर संचालक व डॉक्टर द्वारा पहली बार गर्भधारण पूर्व लिंग चयन और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण संबंधी जुर्म करने पर 3 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुमार्ना तथा इसके उपरांत पुनः जुर्म करने पर 5 साल कैद और 50 हजार रुपए जुमार्ना का प्रावधान है। पति/परिवार के सदस्य या लिंग चयन के लिए उकसाने वाले व्यक्ति के लिए एक्ट में पहले अपराध पर 50 हजार रुपए तक के जुमार्ने के साथ 3 साल तक की कैद तथा इसके उपरांत पुनः अपराध करने पर एक लाख रुपए तक जुमार्ने के साथ 5 साल तक की कैद का प्रावधान एक्ट में किया गया है।

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने जिलावासियों से यमुनानगर जिले के घटते लिंगानुपात को बढ़ाकर जिला को लिंगानुपात के मामले में पहले पायदान पर लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लिंगानुपात को बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि बेटियां अनमोल हैं और इन्हें भी दुनिया में आने का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि केवल बालिका दिवस व महिला दिवस मनाने से कन्या भ्रूण हत्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए हम सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। जिस दिन हम अपनी बेटियों को बेटों के बराबर समझने लगेंगे, उस दिन कन्या भ्रूण हत्या अपने आप रुक जाएगी। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक कानूनी अपराध होने के साथ-साथ सामाजिक अपराध भी है।

देश में बदलाव चल रहा, दिल्ली-पंजाब ने अपनाया, अब हरियाणा की बारी : अनुराग ढांडा

दर्पण न्यूज सर्विस

गोहाना/सोनीपत। आम आदमी पार्टी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने रविवार को गोहाना के गांव कासण्डी में जनसभा की। उन्होंने कहा कि आज बदलाव का समय है और जब बदलाव, क्रांति का समय होता है तो हरियाणा-पंजाब क्षेत्र के लोग शांत नहीं बैठ सकते। देश में जब जब विपदा आई और किसान आंदोलन हुए तो हरियाणा और पंजाब के लोगों ने मिलकर सत्ता का मुकाबला किया और अपनी बातें मनवाई। जब देश के लिए शहीद होने की बात आती है तो इसी क्षेत्र के लोग बॉर्डर पर देश की रक्षा के लिए दुश्मन की गोली खाने के लिए अपना सीना आगे कर देते हैं। इसलिए हरियाणा के खून में है कि जब बदलाव होगा तो शांत नहीं बैठ सकते। आज देश में बहुत बड़ा बदलाव चल रहा है, उस बदलाव को दिल्ली और पंजाब ने अपना लिया अब हरियाणा की बारी है और 2024 में हरियाणा के लिए पूर्ण बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा लोग पूछते हैं कि हरियाणा में कैसे सरकार बनाओगे, हम कहते हैं जैसे दिल्ली और पंजाब में सरकार बना ली वैसे ही हरियाणा में भी सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा हरियाणा के कुछ नेता कहते हैं कि ये हमारा गढ़ है। लेकिन आम आदमी पार्टी का 10 साल का छोटा सा इतिहास उठा कर देख लें, न जाने कितने गढ पंजाब और दिल्ली में तोड़कर आए हैं और 2024 में हरियाणा में भी जो गढ हैं, उसको तोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे जैसे आम आदमी पार्टी की ताकत बढ़ रही है वैसे वैसे इनके अंदर खोफ पैदा हो गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल से भाजपा का राज चला रहा है, कांग्रेस का एक भी नेता जेल में नहीं गया। भाजपा की सरकार कांग्रेस के नेताओं को जेल नहीं भेजते और आम आदमी पार्टी के नेताओं को पहले सतेंद्र जैन, फिर मनीष सिसोदिया और फिर संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल में तो डाल दिया, सारी ताकत और एजेंसियां लगा दी लेकिन आज तक 100 रुपए का भी काला धन बरामद नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि ये आम आदमी की इमानदारी की ताकत है, जिससे भाजपा डरती है। इसलिए कहते हैं कि आम आदमी पार्टी को आगे मत बढ़ने दो। उन्होंने कहा कि अब बदलाव का आंदोलन शुरू हो गया है, आम आदमी अपना हक मांग रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में बिजली फ्री देने, स्वास्थ्य सुविधा फ्री देने, शानदार स्कूलों में शिक्षा फ्री देने, बस में महिलाओं को फ्री यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा फ्री देने और शहीदों के परिवारों को 1 करोड़ की सम्मान राशि देने का काम करती है। आजाद भारत में कोई भी पार्टी शहीदों के परिवार का सम्मान नहीं कर पाई। आम आदमी पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो शहीदों के परिवार को एक करोड़ रूपया सम्मान राशि देती है। दिल्ली में सब कुछ मुफ्त देने के बाद भी आम आदमी पार्टी की सरकार मुनाफे में है। हरियाणा में कुछ भी फ्री नहीं फिर भी प्रदेश पर 3 लाख करोड़ रुपये का कर्जा है। उन्होंने कहा कि इनेलो, कांग्रेस और भाजपा जिसको भी मौका मिला हरियाणा को लूट कर खा गए। अब फिर चुनाव आ गया है ये लोग आपको जात पात समझाने आएंगे, लेकिन अबकी बार इनकी बातों में मत आना और आम आदमी पार्टी को वोट देना।

संपादकीय

युद्ध विराम की दरकार

इजरायल- फिलिस्तीन युद्ध में अब तक करीब ग्यारह हजार लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें चार हजार से ज्यादा बच्चे थे। इजरायल के हमलों से तबाह फिलिस्तीनी आम नागरिकों के संकट और उस समूचे इलाके में उपजे त्रासद हालात को देखते हुए सबसे पहली जरूरत यही है कि किसी भी तरह युद्ध विराम हो। इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र में कई स्तर पर लगातार कोशिशें चल रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आम सभा में युद्ध विराम से संबंधित एक प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था। मगर उसके बाद भी युद्धग्रस्त इलाके में हमलों से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिल सकी। दरअसल, युद्ध के हालात में बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि सुरक्षा परिषद का रुख किसी प्रस्ताव को लेकर क्या रहता है। इस लिहाज से फिलिस्तीन के आम नागरिकों की मुश्किलों को कम करने के लिए तत्काल और विस्तारित मानवीय संघर्ष विराम की मांग वाले एक प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद में अंगीकार किया जाना वक्त का तकाजा है।

पंद्रह सदस्यीय सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव के पक्ष में बारह मत पड़े। हालांकि इस प्रस्ताव पर मतदान से अमेरिका, ब्रिटेन और रूस बाहर रहे। इजरायल ने इसे खारिज कर दिया। इसके बावजूद सुरक्षा परिषद में मानवीय संघर्ष विराम को लेकर बहुमत के समर्थन को शांति की राह में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह अपने आप में एक बड़ी त्रासदी है कि इजरायली हमला अब जो शक्ल ले चुका है, उसमें फिलिस्तीन की एक बड़ी आबादी भयावह तकलीफों से गुजर रही है। इस हमले में फिलिस्तीन के स्वास्थ्य तंत्र तक को नहीं बख्शा गया है और अस्पतालों पर भी बमबारी की जा रही है। आम मरीजों के साथ-साथ हमले के शिकार लोगों का इलाज भी नहीं हो पा रहा है।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं की मुश्किल की बस कल्पना की जा सकती है। जबकि किसी भी युद्ध के दौरान अस्पतालों को सबसे सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है और युद्ध के दौरान भी ऐसी जगहों पर हमला न करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए हैं। मगर ऐसा लगता है कि युद्ध की स्थितियों में न्यूनतम मानवीय तकाजे के मद्देनजर जो अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए हैं, उसका खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा जा रहा। गौरतलब है कि इस युद्ध में अब तक करीब ग्यारह हजार लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें चार हजार से ज्यादा बच्चे थे। गाजा पट्टी के एक बड़े इलाके को इजरायल ने खाली करने का फरमान सुनाया था, जिसके बाद कई लाख लोग वहां से दूसरे इलाकों में विस्थापित हुए। वहां खाना-पानी, आवास और बुनियादी सुविधाओं का जैसा संकट पैदा हुआ है, वह मानवता के सामने एक गंभीर चुनौती है।

खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस स्थिति पर गहरी चिंता जता चुका है। ऐसे में दुनिया के तमाम संवेदनशील लोगों की यही सदिच्छा होगी कि किसी भी हाल में युद्ध को रोका जाए। यों भी जिन मसलों पर फिलिस्तीन और इजरायल के बीच टकराव है, उसका आखिरी और दीर्घकालिक समाधान संवाद के जरिए ही निकाला जा सकता है। युद्ध में शक्ति प्रदर्शन और बेलगाम हमले में मारे जाते हैं आम लोग और उनमें भी खासकर महिलाएं और बच्चे, जो ऐसे हालात के लिए कतई जिम्मेदार नहीं होते। ऐसे में न केवल नैतिक तकाजे के मुताबिक, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खयाल करके युद्ध विराम सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसलिए संयुक्त राष्ट्र के बाकी देशों के साथ-साथ अब अमेरिका, ब्रिटेन और रूस जैसे देशों को भी अपने रुख पर पुनर्विचार कर युद्ध विराम लागू करा कर संवाद की स्थितियां बहाल कराने पर जोर देना चाहिए।

आज है गोपाष्टमी, भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के लिए ऐसे करें पूजा

कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन खासतौर पर गौ माता की पूजा और सेवा करने का विधान है। इस साल गोपाष्टमी 20 नवंबर को है। मान्यता के अनुसार इस दिन सर्वप्रथम भगवान कृष्ण ने गायों को चराना आरंभ किया था, इसलिए इस दिन गौ माता के साथ बछड़े की भी पूजा की जाती है। मान्यता है कि यदि गोपाष्टमी के दिन विधि-विधान से गाय का पूजन व सेवा की जाए तो देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गाय की पूजा करने से श्री कृष्ण प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। इस दिन गाय की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है।

गोपाष्टमी पर ऐसे करें गौ माता की पूजा

- अष्टमी तिथि को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले स्वयं स्नानादि करना चाहिए और भगवान कृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलित करें।
- साधक अपने घर की सफाई करें।
- इसके बाद गाय और उसके बछड़े को नहलाकर तैयार करें और गाय को घुंघरू आदि पहनाएं।
- गाय को आभूषण या फूलों की माला पहनाकर श्रृंगार करें। गौ माता के सींग रंगकर उनमें चुनरी बांधे।
- भोग प्रसाद- खीर, पूरी, सब्जी और हलवा का भोग तैयार करें।
- अब गाय का पूजन करें और भोजन कराएं। इसके बाद गाय की परिक्रमा करें।
- गोधूलि बेला में पुनः गाय का पूजन करें और उन्हें गुड़, हरा चारा आदि खिलाएं।
- भगवान कृष्ण की एक प्रतिमा लें और मूर्ति को पंचामृत से स्नान कराएं।
- यदि आपके घर में गाय न हो तो किसी गौशाला में जाकर गाय का पूजन कर सकते हैं।
- गायों की पूजा करने के बाद ग्वालों को दक्षिणा दें।
- अंत में भगवान कृष्ण और गौ माता से आशीर्वाद लें।

गोपाष्टमी- तिथि और समय

अष्टमी तिथि आरंभ - 20 नवंबर 2023 - 05:21
अष्टमी तिथि समाप्त - 21 नवंबर 2023 - 03:16

गोपाष्टमी की कथा

मान्यता के अनुसार कान्हा जिस दिन गौ चराने के लिए पहली बार घर से निकले थे, वह कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि थी, इसलिए इस तिथि को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है। गोपाष्टमी की पौराणिक कथा के अनुसार जब श्री कृष्ण छह वर्ष के हुए तो यशोदा जी से कहने लगे, 'मईया अब मैं बड़ा हो गया हूं। यशोदा जी प्रेम पूर्वक बोलीं- अच्छा लल्ला अब तुम बड़े हो गए हो तो बताओ अब क्या करें। इस पर कन्हैया बोले- अब मैं बछड़े चराने नहीं जाउंगा, अब मैं गाय जाउंगा। इसपर यशोदा जी ने कहा- ठीक है बाबा से पूछ लेना। अपनी मईया के इतना कहते ही झट से कृष्ण जी नंद बाबा से पूछने पहुंच गए।

नंद बाबा ने कहा- लल्ला अभी तुम बहुत छोटे हो अभी तुम बछड़े ही चराओ, लेकिन कन्हैया हठ करने लगे। तब नंद जी ने कहा ठीक है लल्ला तुम पंडित जी को बुला लाओ- वह गौ चारण का मुहूर्त देख कर बता देंगे ।बाबा की बात सुनकर कृष्ण जी झट से पंडित जी के पास पहुंच गए और बोले- पंडित जी, आपको बाबा ने बुलाया है, गौ चारण का मुहूर्त देखना है, आप आज ही का मुहूर्त बता देना मैं आपको बहुत सारा माखन दुंगा।

पंडित जी नंद बाबा के पास पहुंचे और बार-बार पंचांग देख कर गणना करने लगे, तब नंद बाबा ने पूछा, क्या बात है पंडित जी? आप बार-बार क्या गिन रहे हैं? तब पंडित जी ने कहा, क्या बताएं गौ चारण के लिए केवल आज का ही मुहूर्त निकल रहा है, इसके बाद तो एक वर्ष तक कोई मुहूर्त नहीं है। पंडित जी की बात सुनने के बाद नंदबाबा को गौ चारण की स्वीकृति देनी पड़ी। उसी दिन भगवान ने गौ चारण आरंभ किया। यह शुभ तिथि कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष अष्टमी तिथि थी, भगवान के द्वारा गौ-चारण आरंभ करने के कारण यह तिथि गोपाष्टमी कहलाई।

एक मान्यता ये भी

एक अन्य मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर सप्तमी तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाए रखा था। आठवें दिन जब इंद्र देव का अहंकार टूटा और वे श्रीकृष्ण के पास क्षमा मांगने आए। तभी से कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर गोपाष्टमी का उत्सव मनाया जा रहा है।

सुबह उठकर करें ये काम, धन के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

धार्मिक ग्रंथों में मां लक्ष्मी को धन, वैभव, सुख, संपदा की देवी माना गया है। अगर आपको भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति करनी है तो उसके लिए आपको मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि मां लक्ष्मी की पूजा करने से आर्थिक तंगी से राहत मिलती है। और जीवन में सुख-शांति की बरसा होती है। ऐसे में अगर आप धन से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे हैं तो उसके लिए आप इन ज्योतिष उपाय को अपना सकते हैं, जिन्हें अपनाकर आपका जीवन सुखी हो जाएगा।

प्रवेश द्वार को रखें साफ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर का मुख्य द्वार हमेशा साफ सुथरा रखना चाहिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि सबसे पहले मां की नजर आपके प्रवेश द्वार पर पड़ती है। ऐसे में सुबह उठकर भगवान का स्मरण करते हुए घर के मुख्य द्वार को साफ करें और उसके आसपास रंगोली से सजाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

ग्रंथों के अनुसार, घर के मुख्य द्वार को बहुत ही खास माना गया है। अगर शाम के समय घर के बाहर दीपक जलाया जाए तो जीवन में धन की कमी कभी नहीं होती है। साथ ही इससे मां लक्ष्मी भक्तों पर अपनी अपार कृपा बरसाती हैं।

नियमित करें तुलसी पूजा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु को तुलसी का पौधा बेहद प्रिय है। ऐसे में अगर नियमित रूप से मां तुलसी के सामने घी का दीपक जलाया जाए और विधि विधान के अनुसार पूजा की जाए तो मां लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती हैं और घर पर स्थायी समृद्धि का वास होता है।

मानसिक पीड़ा से मिलेगा छुटकारा, इस विधि से करें चंद्रमा के मंत्रों का जाप

चंद्र देव के मंत्र

ॐ शीतांशु, विभांशु अमृतांशु नमः
श्वेतः श्वेताम्बरधरः श्वेताश्वः श्वेतवाहनः।
गदापाणि द्विबाहुश्च कर्तव्योः वरदः शशिः।।
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं ॐ स्वाहाः

चंद्र देव हर व्यक्ति की कुंडली को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण ग्रहों में से एक हैं। चंद्र ग्रह को मन का स्वामी कहा जाता है, जिसकी कुंडली में चंद्रमा अनुकूल स्थिति में हो, तो उसे कभी मानसिक पीड़ा से नहीं गुजरना पड़ता है। साथ ही मां के साथ उस व्यक्ति के संबंध काफी अच्छे रहते हैं। लेकिन अगर वही चंद्रमा अगर कुंडली में अशुभ स्थान पर है, तो जातक को काफी बुरे दौर से गुजरना पड़ता है। अगर आप चंद्र ग्रह के अशुभ परिणामों से बचना चाहते हैं, तो आपको यहां दिए उनके मंत्रों का जाप नियम अनुसार करना चाहिए।

इस विधि से करें चंद्र देव के मंत्रों का जाप

- सुबह जल्दी उठकर पवित्र स्नान करें।
- भगवान चंद्र की प्रतिमा के सामने उनके मंत्रों का जाप करें।
- इसके लाभों को बढ़ाने के लिए मंत्र का अर्थ समझें।
- चंद्र मंत्र के जाप से नकारात्मक प्रभावों को सकारात्मकता में बदला जा सकता है।
- चंद्र मंत्र का जाप करने का सही समय शुक्ल पक्ष सोमवार का दिन है।
- चंद्र मंत्र का जाप कम से कम 18 माला या 108 बार करना चाहिए है।

चंद्र मंत्र के लाभ

चंद्रमा मन के देवता हैं। चंद्र मंत्र का जाप करने से मन की उलझनें दूर होती हैं और मन की शक्ति तीव्र गति से बढ़ती है। भगवान चंद्र की पूजा से सौंदर्य, प्रति दृष्टि, स्मृति और मानसिक क्षमता बढ़ती है। नियमित रूप से चंद्र मंत्र का जाप करने से नकारात्मक प्रभावों को आसानी से कम किया जा सकता है। साथ ही कुंडली में चंद्रमा की स्थिति को सकारात्मक परिणामों में बदला जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष: रुपये-पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इजाफा होगा।

वृषभ: आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें।

मिथुन: आज आपके पास खुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौके का फायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की खराब सेहत की वजह से घूमने का कार्यक्रम टल सकता है।

कर्क: आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ खींचेगा। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको खुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

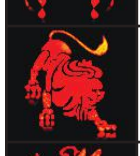

सिंह: अच्छी सेहत के लिए दूर तक पैदल घूमें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज न सिर्फ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की जरूरत भी है। हर बात पर प्यार का दिखावा करना ठीक नहीं है इससे आपका रिश्ता सुधरने की जगह बिगड़ सकता है।

कन्या: असहजता आपकी मानसिक शांति में बाधा पैदा कर सकती है, लेकिन कोई दोस्त आपकी परेशानियों के समाधान में काफी मददगार साबित होगा। तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है।

तुला: ध्यान और आत्म-चिन्तन लाभदायक सिद्ध होगा। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्खी आस-पास के लोगों को दुःखी कर सकती है।

वृश्चिक: धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को खुश रखेंगी।

धनु: अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करना आपकी सेहत को भी बेहतर करेगा। लेकिन खयाल रखें कि इसे नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है।

मकर: आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में कामयाबी पा सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है।

कुंभ: आपको अपनी सेहत के प्रति ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है, खास तौर पर रक्तचाप के मरीजों को। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें।

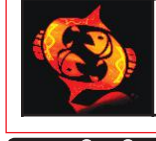

मीन: ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फायदेमन्द साबित होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। दिन को रोमांचक बनाने के लिए करीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ।

जानें, क्यों देवों के देव महादेव को कहा जाता है त्रिपुरारी

देवउठनी या देवोत्थान एकादशी के दिन देवता जाग्रत होते हैं और कार्तिक पूर्णिमा के दिन वे यमुना तट पर स्नान कर दीपावली मनाते हैं दीप प्रज्वलित करते हैं। नदियों-जलाशयों सहित समस्त स्थानों पर जगमग करते दीये न सिर्फ हमारे लिए प्रेरक संदेश लेकर आते हैं बल्कि पौराणिक काल की उन कथाओं को भी उद्घाटित करते हैं जिनके कारण देवता प्रसन्न होते हैं।

भारतीय संस्कृति का जन्म व्यक्ति तथा समाज को सुसंस्कृत बनाने की दृष्टि से हुआ है। उसके प्रत्येक सिद्धांत, आदर्श एवं विधि-विधान की रचना इसी दृष्टि से की गई है कि उसका प्रभाव जनमानस को ऊंचा उठाने एवं परिष्कृत बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध हो। जिस प्रकार व्यक्तिगत जीवन की वैयक्तिक मनोभूमि निर्माण के लिए भारतीय संस्कृति में षोडश संस्कारों की रचना हुई है, उसी प्रकार सामूहिक जीवन और समाज को सुसंस्कृत बनाने के लिए ऋषियों ने अनेक त्योहारों की रचना की है। प्रत्येक त्योहार एक आदर्श, सिद्धांत एवं प्रेरणा लिए हुए हैं।

समाज पर उन सिद्धांतों का असर डालने के लिए सामूहिक आयोजनों, उत्सवों आदि के द्वारा यह प्रयत्न किया गया है कि लोग उस प्रकार की प्रेरणा ग्रहण करके उसे अपने जीवन में ढालें। केवल समझाने-बुझाने, लिखने-पढ़ने, सुनने-सुनाने से वह प्रभाव नहीं पड़ता, जो बड़े प्रदर्शनों एवं उत्सवों का पड़ता है। जनसमुदाय बड़े रूप में, सामूहिकता के साथ जिस उत्सव को मनाता है, उससे उस उत्सव में भाग लेने वाले निश्चय ही प्रेरणा एवं प्रकाश ग्रहण करते हैं।

जनजीवन को सच्चरित्र, आदर्शवाद, सेवा, सद्भावना, सहयोग और सज्जनता से परिपूर्ण करने वाली प्रेरणाओं से भर देने वाली देव दीपावली का मूल उद्देश्य भी इन्हीं प्रेरणाओं को ग्रहण करना है। इन उद्देश्यों की पूर्ति बहुत कुछ परिवार और सामाजिक स्तर पर हो सकती है, यदि इसे ठीक तरह तरह से मनाया जाए। जब तक लोग इन्हें उचित रीति से मनाते रहे, तब तक उन्हें जीवन को महान बनाने की प्रेरणा समुचित रीति से प्राप्त होती रही और मानव मात्र का मानसिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर असाधारण रूप से ऊंचा उठता रहा। अब इन त्योहारों को मनाने की प्रेरणाप्रद प्रक्रियाएं कम-सी हो गई है और चिह्न पूजा जैसी मात्र बनकर रह गई हैं।

हमारे आर्ष ग्रंथों के अनुसार, त्रिपुरासुर नामक एक बलशाली राक्षस ने समाज में आतंक फैला रखा था। वह धार्मिक कृत्यों में जुटे ऋषि-मुनियों की साधना व अन्य गतिविधियों में विघ्न डालता था। ऋषि-मुनि उसके इन कृत्यों से भयभीत रहा करते थे। पौराणिक मान्यता के अनुसार, ऋषि-मुनियों ने तब अपनी इस समस्या के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। भगवान शिव ने उनकी प्रार्थना स्वीकार की और त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध कर ऋषियों को भयमुक्त किया, जिससे वे त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए।

इसीलिए कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरोत्सव और त्रिपुरारी पूर्णिमा के रूप भी जाना जाता है। कहा जाता है कि उनकी इस विजय के अवसर को देव दीपावली उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा भी चली आ रही है। एक मान्यता यह भी है कि भगवान विष्णु इसी दिन मत्स्य के रूप में अवतरित हुए और वे जब श्रीकृष्ण के रूप में धरती पर आए, तब इसी दिन उन्हें आत्मबोध हुआ था। देवउठनी या देवोत्थान एकादशी के दिन देवता जाग्रत होते हैं और कार्तिक पूर्णिमा के दिन वे यमुना तट पर स्नान कर दीपावली मनाते हैं, दीप प्रज्वलित करते हैं। नदियों-जलाशयों सहित समस्त स्थानों पर जगमग करते दीये न सिर्फ हमारे लिए प्रेरक संदेश लेकर आते हैं, बल्कि पौराणिक काल की उन कथाओं को भी उद्घाटित करते हैं, जिनके कारण देवता प्रसन्न होते हैं।

देव दीपावली का सच्चा संदेश है कि यदि हम अपने राष्ट्र को अपने समाज की समृद्धिशाली संपत्ति का स्वामी बनाना चाहते हैं, तो हम सबको मिलकर दैन्य और दरिद्रता के कारणों का मूलोच्छेदन करना चाहिए। तब देश की आर्थिक स्थिति के साथ समाज विकसित और सुदृढ़ हो जाएगा। हमारे व्यापार और उद्योग धंधे का विकास होगा, प्रगतिशीलता का प्रवाह हमारे देश की तरफ होगा, तभी हम सब सुख और वैभव का जीवन व्यतीत कर सकेंगे। हम इसे सच्चे अर्थों में राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक व आध्यात्मिक हितों पर विचार करने और उसका विकास करने का साधन बना दें।

हमें अपनी संस्कृति का पुनरुत्थान करके, भारतीय जनमानस को प्राचीनकाल जैसे उच्च स्तर पर पहुंचाना है और देव दीपावली सहित सभी हिंदू त्योहारों एवं पर्वों को मनाने की उस प्राचीन परिपाटी को आगे बढ़ाना चाहिए, जिसका हमारे ऋषि मुनियों ने समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत किया था। भारतीय समाज में हिंदुओं का जीवन धर्ममय होता है और सभी क्रियाकलाप धर्म की पूर्ति के लिए होते हैं। यह बात की सत्यता तभी समझी जा सकती है, जब हम अपने व्रतों, उत्सवों और त्योहारों के मूल तत्व को हृदयंगम करके सच्चे हृदय से उनको मनाएं और उसके अनुसार अपना आचरण भी रखें। हमारे ऋषि-मुनियों व पूर्वजों ने पर्वों, त्योहारों, उत्सवों की स्थापना इसीलिए की थी कि उनके द्वारा हमको अपने धार्मिक कर्तव्यों का स्मरण होता रहे और हम सत्य, न्याय, त्याग, परोपकार के सिद्धांतों पर चलकर अपना और अपने आसपास वालों का हित साधन करते रहें।

रिजिजू ने मालदीव में भारतीय समुदाय के योगदान को सराहा, कहा- भारत सरकार रहेगी निरंतर प्रतिबद्ध

पिछले महीने मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी

दर्पण न्यूज सर्विस

माले। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत को मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पीएम मोदी का निमंत्रण मिला है। प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के उम्मीदवार मुइज्जू ने पिछले महीने मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मालदीव में ₹जीवंत और प्रतिबद्ध₹ भारतीय समुदाय के साथ बातचीत पर प्रसन्नता व्यक्त की और भारत और मालदीव के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए, मंत्री रिजिजू ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें उनके कल्याण और भलाई के लिए भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। विशेष रूप से, केंद्रीय विज्ञान मंत्री मालदीव में राष्ट्रपति मुइजू के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिन्होंने शुक्रवार को शपथ ली। रिजिजू ने भी शपथ समारोह में हिस्सा लिया और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को बधाई दी।

बाद में उन्होंने आधिकारिक भोज में भाग लिया और मालदीव के आतिथ्य के लिए मुइजू को धन्यवाद दिया।

पीएम मोदी की ओर से दीं शुभकामनाएं

बातचीत के दौरान, मंत्री रिजिजू ने विभिन्न पहलुओं में सक्रिय भागीदारी के लिए मालदीव में भारतीय प्रवासियों की सराहना की, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। इससे पहले दिन में, रिजिजू ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। रिजिजू ने द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं।

पिछले महीने ही चुनाव में हासिल की थी जीत

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत को मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पीएम मोदी का निमंत्रण मिला है। प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के उम्मीदवार मुइज्जू ने पिछले महीने मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी। पहले दौर में 46 प्रतिशत वोटों के साथ सबसे आगे रहने के बाद, दूसरे दौर के मतदान में उन्होंने 53 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ जीत हासिल की, उसके बाद इब्राहिम सोलिह 39 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

गाजा के अल शिफा अस्पताल में बढ़ा खतरा

डब्लूएचओ का दावा- सामूहिक कब्रें खुदी हुई हैं

दर्पण न्यूज सर्विस

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम अल शिफा अस्पताल से 25 स्टाफ कर्मचारियों, 291 मरीजों जिनमें गंभीर रूप से बीमार 32 बच्चे भी शामिल हैं, उन्हें किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी कर रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गाजा पट्टी में खासकर अल शिफा अस्पताल में मानवीय संकट गहराया हुआ है।

डब्लूएचओ के अधिकारियों का कहना है कि वह अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। डब्लूएचओ के अधिकारी फिलहाल इस्राइली सेना के साथ समन्वय करके मरीजों और स्टाफ को निकालने के लिए सुरक्षित रास्ता बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि इस्राइल हमास युद्ध में अब तक 14 हजार लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से 12300 लोगों की मौत गाजा पट्टी में हुई है और इस्राइल में 1400 लोगों की जान गई है।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस्राइल और अमेरिका मिलकर हमास के साथ बंधकों की रिहाई के लिए समझौता कर रहा है। हालांकि इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इससे इनकार किया है और कहा है कि अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

मरीजों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक बयान में कहा कि उसकी टीमें जो अल शिफा अस्पताल में तैनात हैं, उन्होंने अस्पताल के गेट पर सामूहिक कब्रें देखी हैं और 80 से ज्यादा लोगों को यहां दफनाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम अल शिफा अस्पताल से 25 स्टाफ कर्मचारियों, 291 मरीजों जिनमें गंभीर रूप से बीमार 32 बच्चे भी शामिल हैं, उन्हें किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी कर रही है। इन मरीजों को अगले 24 से 72 घंटे में निकाल लिया जाएगा। इसके लिए डब्लूएचओ, ओसीएचए, यूएनडीएसएस, यूएनआरडब्लूए की संयुक्त टीम इस काम में जुटी है। इस्राइली सेना ने उत्तरी गाजा में अपने जमीनी हमले को तेज कर दिया है।

दक्षिणी गाजा में ऑपरेशन चलाएगी इस्राइली सेना

इस्राइली सेना ने उत्तरी गाजा में अपने जमीनी हमले को तेज कर दिया है। इस्राइली सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में लोगों को घर खाली करने को कहा है। दरअसल इस्राइली सेना अब जल्द ही दक्षिण की तरफ कार्रवाई शुरू कर सकती है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को इस्राइल के हमले में एक रिहायशी इमारत तबाह हो गयी, जिसमें 26 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। हालांकि इस्राइल ने घटना की पुष्टि नहीं की है।

पाक के हालात और भी नाजुक, अब छह अस्पताल बंद होने के कगार पर, कर्मचारियों का वेतन रुका

दर्पण न्यूज सर्विस

इस्लामाबाद। हालात, यहां तक हैं कि मरीजों को दवाएं तक देने से इन्कार किया जा रहा है क्योंकि कंपनियों को निविदा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। लाहौर का शेख जायद अस्पताल बुरी तरह प्रभावित हुआ है, क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद के सभी पांच सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल और लाहौर के शेख जायद अस्पताल ठप होने के कगार पर पहुंच गए हैं। यहां इन अस्पतालों के सुचारू संचालन के लिए 11 अरब पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) देने के वित्त प्रभाग के अनुरोध को संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। इस कारण कई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) की नर्सें एक सप्ताह से अधिक समय से वेतन रुकने के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं।

इन अस्पतालों की लैब भी जल्द ही पूरी तरह ठप हो जाएंगी क्योंकि टेस्टिंग किट का स्टॉक तक खत्म हो रहा है। फिल्म न होने के चलते रेडियोलॉजी परीक्षणों को भी अस्वीकार किया जा रहा है। हालात, यहां तक हैं कि मरीजों को दवाएं तक देने से इन्कार किया जा रहा है, क्योंकि कंपनियों को निविदा राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

लाहौर का शेख जायद अस्पताल बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है। आशंका है कि आगामी दिनों में पाक की खराब होती अर्थव्यवस्था के चलते आपातकालीन विभाग भी बंद हो सकते हैं।

अल्पकालिक मुद्रास्फीति 42% तक पहुंची

आधिकारिक आंकड़ों के हवाले से डॉन अखबार ने पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था की एक और पोल खोली है। देश में वार्षिक अल्पकालिक मुद्रास्फीति 4 माह में पहली बार 40% से ऊपर हो गई है। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने कहा, 16 नवंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रास्फीति की दर 41.9% रही, जिसका मुख्य कारण एक वर्ष पूर्व की तुलना में गैस शुल्क में 1,100% से अधिक की वृद्धि है। मूल्य वृद्धि वाली अन्य वस्तुओं में सिगरेट (94.5%), गेहूं का आटा (86.4%), मिर्च पाउडर (81.7%), टूटे हुए बासमती चावल (76.7%), लहसुन (63.6%) बढ़ गए हैं।

आईएमएफ ने पाक की विदेशी ऋण जरूरत को घटाया

आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की विदेशी ऋण जरूरतों को घटाकर 25 अरब डॉलर कर दिया है। उसने नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत देते हुए इसमें 3.4 अरब डॉलर की कटौती की है।

क्या इस्राइल, हमास के बीच होने वाला है कोई समझौता: नेतन्याहू

दर्पण न्यूज सर्विस

तेल अवीव। इस्राइल के रक्षा मंत्री ने भी माना कि कई मीडिया रिपोर्ट्स में कथित समझौते को लेकर दावा किया जा रहा है लेकिन अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि जब भी ऐसा कुछ होगा, तो वह इसके बारे में जानकारी जरूर देंगे। इस्राइल और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने को लेकर एक समझौते को लेकर बातचीत हो रही है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस्राइल, अमेरिका और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने का यह समझौता होने जा रहा है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने किया इनकार

बता दें कि इस्राइल पर इन दिनों भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है कि वह गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई रोके। वहीं इस्राइल की सरकार साफ कर चुकी है कि जब तक उसके बंधक रिहा नहीं हो जाते और हमास का खात्मा नहीं हो जाता, वह अपना ऑपरेशन नहीं रोकेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि अभी तक की लड़ाई में हमने काफी कुछ हासिल किया है। हमने हजारों हमास के आतंकियों को ढेर किया है और इनमें हमास के वरिष्ठ कमांडर भी शामिल हैं। हमने सुरंगे तबाह की हैं और अभी भी कर रहे हैं। इस्राइल के रक्षा मंत्री ने भी माना कि कई मीडिया रिपोर्ट्स में कथित समझौते को लेकर दावा किया जा रहा है लेकिन अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि जब भी ऐसा कुछ होगा, तो वह इसके बारे में जानकारी जरूर देंगे।

नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति को कहा धन्यवाद

बता दें कि अब बंधकों को छुड़ाने के लिए इस्राइली सरकार पर आंतरिक दबाव भी बन रहा है। शनिवार को यरुशलम में हजारों की संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर बंधकों को जल्द रिहा कराने की मांग की। लोगों ने नेतन्याहू सरकार की भी आलोचना की। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिका और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि अमेरिका की तरफ से लगातार अहम हथियार और रक्षा उपकरण भेजे जा रहे हैं और अमेरिकी कांग्रेस में भी इस्राइल को पूरा समर्थन मिल रहा है।

अल शिफा अस्पताल से निकाले जाएंगे मरीज

वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एलान किया है कि इसके अधिकारी गाजा के अल शिफा अस्पताल से मरीजों और स्टाफ सदस्यों को अगले 24 से 72 घंटे में निकालने की तैयारी कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अभी भी 25 स्टाफ सदस्य और 291 मरीज अस्पताल में मौजूद है। वहीं इस्राइली सेना भी अस्पताल में अपना ऑपरेशन चला रही है। अल शिफा अस्पताल के मरीजों को नासेर अस्पताल और यूरोपियन अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। हालांकि ये दोनों अस्पताल पहले से ही तय सीमा से ज्यादा मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ऐसे में और मरीजों के आने से इन अस्पतालों में हालात और खराब हो सकते हैं।

जीई एयरोस्पेस का एचएएल के साथ समझौता

दर्पण न्यूज सर्विस

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ मिलकर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू जेट विमानों के लिए इंजन बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) ने इस साल 30 अगस्त को एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान के निर्माण की मंजूरी दी थी।

भारत में रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने के लिए हल्के लड़ाकू विमान(एलसीए) मार्क2 और पहले दो स्वदेशी उन्नत मध्यम दर्जे के लड़ाकू विमान (एएमसीए) का इंजन का उत्पादन अब देश में ही होगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के प्रमुख डॉ, समीर वी कामत ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड मिलकर इनके इंजन का निर्माण करेंगे। अमेरिका से इसकी सभी मंजूरी मिल गई है। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ मिलकर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू जेट विमानों के लिए इंजन बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) ने इस साल 30 अगस्त को एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान के निर्माण की मंजूरी दी थी।

यह विमान चरणबद्ध तरीके से मिराज 2000, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमान का स्थान लेगा। एलसीए मार्क2 का निर्माण 2027 तक कर लिया जाएगा। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान विनिर्माण में जीई की भागीदारी अमेरिकी कंपनी जीई ने 1986 में एफ404 इंजन के साथ भारत के हल्के लड़ाकू विमान के विकास के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ काम करना शुरू किया।

मसाला चाय और परांठे की खोज से खुला उज्बेकिस्तान में पहला भारतीय रेस्तरां, उज्बेकी लोग हुए दीवाने

दर्पण न्यूज सर्विस

समरकंद। नौशाद बताते हैं कि उनके रेस्तरां में रोजाना 350-450 पर्यटक आते हैं और साथ ही उन्हें शादी और कैटरिंग के भी ऑर्डर मिलते हैं। समरकंद में करीब 3000 भारतीय छात्र रहते हैं जो अक्सर उनके रेस्तरां आते हैं। बंगलूरू के मोहम्मद नौशाद स्टील इंडस्ट्री में नौकरी के बाद रिटायरमेंट ले चुके थे और रिटायरमेंट के बाद उनकी योजना दुनिया घूमने की थी लेकिन उनकी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दरअसल मोहम्मद नौशाद उज्बेकिस्तान के समरकंद घूमने गए।

इस दौरान एक सुबह उनका अपना मनपसंद नाश्ता मसाला चाय और परांठा खाने का मन हुआ तो वह भारतीय रेस्तरां की खोज में बाहर निकले और यह जानकर हैरान रह गए कि पूरे समरकंद में एक भी भारतीय रेस्तरां नहीं है। यहीं से मोहम्मद नौशाद को समरकंद में पहला भारतीय रेस्तरां खोलने का विचार आया। आज 'द इंडियन किचन' उज्बेकिस्तान में रहने वाले भारतीयों के लिए पसंदीदा जगह बनकर उभरा है।

मोहम्मद नौशाद का कहना है कि रिटायरमेंट के बाद काम करने की उनकी कोई योजना नहीं थी और साथ ही उन्हें रेस्तरां बिजनेस का भी कोई अनुभव नहीं था। जब मैं यहां पर्यटक के तौर पर आया था और मसाला चाय और परांठे की खोज में था, जिससे रेस्तरां खोलने का विचार आया। 61 वर्षीय नौशाद बताते हैं कि वह जिस भी देश में घूमने गए, वहां उन्हें एक ना एक भारतीय रेस्तरां मिल जाता था लेकिन मैं ये जानकर हैरान रह गया कि यहां पर एक भी भारतीय रेस्तरां नहीं था। साथ ही यहां के लोगों की सादगी और समृद्ध संस्कृति से प्रभावित होकर उन्होंने उज्बेकिस्तान में ही रहने का फैसला किया।

नौशाद बताते हैं कि उनके रेस्तरां में रोजाना 350-450 पर्यटक आते हैं और साथ ही उन्हें शादी और कैटरिंग के भी ऑर्डर मिलते हैं। समरकंद में करीब 3000 भारतीय छात्र रहते हैं जो अक्सर उनके रेस्तरां आते हैं। नौशाद बताते हैं कि भारतीयों के साथ ही स्थानीय उज्बेकी लोग भी उनके रेस्तरां के खाने को खूब पसंद करते हैं। द इंडियन किचन के शेफ चेन्नई के रहने वाले अशोक कालीदास हैं। अशोक बताते हैं कि वह स्थानीय लोगों से खाने के स्वाद को लेकर सुझाव लेते रहते हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को उनके रेस्तरां का खाना पसंद आए। उज्बेकिस्तान में मौजूदा भारतीय दूतावास का कहना है कि उज्बेकिस्तान में 5000 से ज्यादा भारतीय रहते हैं और साथ ही इस साल अब तक 30 हजार भारतीय उज्बेकिस्तान घूमने आ चुके हैं।

खासकर उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के बीच यह रेस्तरां काफी लोकप्रिय है। दरअसल भारतीय छात्र समरकंद में भारतीय खाने की कमी महसूस करते थे, इस कमी को 'द इंडियन किचन' ने पूरा कर दिया है।

मोहम्मद नौशाद का कहना है कि रिटायरमेंट के बाद काम करने की उनकी

ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में ही कुत्ते ने काटा, गिफ्ट में भी मिला टेडी डॉगी

दर्पण न्यूज सर्विस

चिसीनाउ। ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने पहले तो डॉग के प्रति सहानभूति व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो मुझे जानता है कि मै एक डॉग प्रेमी हूं।

यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति को कुत्ते ने काट लिया।सुनकर हैरान हो गए न। लेकिन यह सच है। मजे की बात यह है कि ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को डॉग ने काटा भी तो कहां- अपने देश से 1500 किलोमीटर दूर। डॉग बाइट की तमाम खबरें तो आए दिन आती ही रहती हैं। देश-विदेश में डॉग बाइट अब आम हो चुका है लेकिन ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को कुत्ते के काटने की घटना अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

अब जानिए, पूरी कहानी

मीडिया रिपोर्ट के ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वार डेर बेलेन मोल्दोवना के दौरे पर हैं। इस दौरान, वे मोल्दोवन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मैया संदू के साथ टहल रहे थे। इस दौरान वहां कुछ पालतू डॉग बंधे हुए थे। डॉग को देखकर बेलेन डॉग को सहलाने लगे, तभी उस डॉग ने उन्हें हाथ पर काट लिया। इस वजह से बेलेन अपनी अगली बैठकों में हाथों में पट्टी बांधकर ही शामिल हुए। डॉग बाइट के कारण संदू ने बेलेन से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि आस-पास अधिक संख्या में लोगों को देखकर डॉग घबरा गया था। इस वजह उसने बेलेन के हाथों पर काट लिया। मैं इसके लिए माफी मांगती हूं।

बेलेन ने डॉग के प्रति जताई सहानभूति

ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने पहले तो डॉग के प्रति सहानभूति व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो मुझे जानता है कि मै एक डॉग प्रेमी हूं। मैं उसकी भावना समझ सकता हूं। संदू सहित अन्य नेताओं और अधिकारियों के साथ मेरी मुलाकात बहुत अच्छी रही। बेलेन ने आगे कहा कि संदू ने यात्रा के आखिरी दिन एक छोटा डॉग वाला खिलौना भी तोहफे में दिया।

हिंदू धर्म ने ही मुझे आजादी दी, मुझे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए भी प्रेरित किया: रामास्वामी

दर्पण न्यूज सर्विस

वाशिंगटन। रामास्वामी ने कहा मैं एक हिंदू हूं। मेरा मानना है कि भगवान सच्चा है। भगवान ने हमें एक उद्देश्य के लिए यहां भेजा है। ईश्वर के उस उद्देश्य को साकार करना हमारा कर्तव्य है। हमारा नैतिक कर्तव्य है। हमारे धर्म का मूल है कि भगवान हम सब में निवास करते हैं। इसलिए हम सभी सामान हैं।

हिंदू धर्म ने मुझे यह स्वतंत्रता प्रदान कि मैं अपने नैतिक दायित्वों को समझ सकूं। हिंदू धर्म ने ही मुझे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया है। यह कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी का। रामास्वामी शनिवार को द डेली सिग्नल प्लेटफॉर्म द्वारा आयोजित द फैमिली लीडर फोरम कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म

पर विश्वास ही है, जो मुझे आजादी देता है। रामास्वामी ने कार्यक्रम में हिंदू धर्म की शिक्षाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा मैं एक हिंदू हूं। मेरा मानना है कि भगवान सच्चा है।

भगवान ने हमें एक उद्देश्य के लिए यहां भेजा है। ईश्वर के उस उद्देश्य को साकार करना हमारा कर्तव्य है। हमारा नैतिक कर्तव्य है। हमारे धर्म का मूल है कि भगवान हम सब में निवास करते हैं। इसलिए हम सभी सामान हैं। उन्होंने कहा कि मेरी परवरिश के कारण ही मुझमें परिवार, शादी और माता-पिता के प्रति सम्मान पैदा हुआ है। मेरा घराना काफी पारंपरिक था।

मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया कि परिवार ही हमारी नींव है। हमें अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए। शादी पवित्रता है। शादी से पहले संयम रखना आवश्यक है। बुरे विचार गलत हैं। शादी पुरुष-महिलाओं के बीच होती है। तालाक नहीं होता। पुरुष-महिला भगवान के समक्ष शादी करते हैं। भगवान के सामने अपने परिवार की खुशहालता के लिए शपथ लेते हैं।

रामास्वामी ने हिंदू और ईसाई धर्म के बीच भी समानता बताई। उन्होंने कहा कि वे साझा मूल्यों के लिए खड़े रहेंगे। मैं क्रिश्चियन हाई स्कूल गया। वहां मैंने 10 आज्ञाएं सीखीं। हमने बाइबल पढ़ी है।

छठ महापर्व | कैलिफोर्निया में भी छठ महापर्व का उत्साह

भगवान भास्कर को अर्घ्य देने उमड़े कैलिफोर्निया के सैकड़ों श्रद्धालु

दर्पण न्यूज सर्विस

कैलिफोर्निया। लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर भारत के अलावा अमेरिका में भी उत्साह दिख रहा है। कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली में रहने वाले सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी लोगों ने छठ महापर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। लोक आस्था का महापर्व छठ भारत के कई हिस्सों में धूमधाम से मनाया जाता है। चार दिनों के महापर्व पर श्रद्धालुओं के बीच आस्था का उत्साह और पवित्रता की पराकाष्ठा देखी जाती है। भारत के अलावा अब अमेरिका में भी सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी छठ पूजा मनाते हैं।

कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली में पीढ़ियों से चली आ रही अपनी पारिवारिक परंपरा को जीवित रखते हुए श्रद्धालुओं ने महापर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। विज्ञान और तकनीक से घिरे रहने के बावजूद सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी श्रद्धालु अपने दोस्तों और परिवारों के साथ आस्था का महापर्व मना रहे हैं।

छठ पूजा के हिस्से के रूप में सूर्य देव की पूजा-उपासना करने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु अमेरिकी शहर फ्रेमोंट में एक झील के किनारे एकत्र हुए। बता दें कि चार दिवसीय छठ पूजा 17 नवंबर को शुरू हुई। त्योहार के दौरान, भक्त 36 घंटे से अधिक समय का निर्जला उपवास रखते हैं। भगवान भास्कर यानी सूर्य देव की प्रार्थना के लिए नदियों और तालाबों के किनारे इकट्ठा होने वाले श्रद्धालु जलाशयों में खड़े होकर भगवान को अर्घ्य देते हैं। कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में रहने वाले सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी श्रद्धालुओं

में एक राकेश सिंह ने बताया, ₹हम यहां छठ पूजा मना रहे हैं।

हमने इसे 2011 में शुरू किया था और उस समय केवल कुछ लोगों ने ही इसमें भाग लिया था। बाद में, धीरे-धीरे लोग इसमें शामिल होने लगे और 2014 के बाद, यह वास्तव में बढ़ने लगा। लगभग 1,200 लोग पिछले साल छठ महापर्व पर शामिल हुए थे। इस साल, फ्रेमोंट में आयोजकों ने छठ पूजा समारोह के लिए झील के किनारे प्रवेश के लिए मुफ्त टिकट की पेशकश की। आयोजकों के अनुसार, सिस्टम खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर ही सभी मुफ्त टिकट बिक गए।

बड़ी संख्या में लोग प्रतीक्षा सूची में रहे। एक अन्य स्थानीय निवासी सुनील ने बताया, ₹हमने सोचा कि हमारे बच्चों को कैसे पता चलेगा कि छठ वास्तव में कैसे मनाया जाता है? घर पर (भारत में) उत्सव मनाना बिल्कुल सामान्य है। मैं अपनी पत्नी और बेटी को झील के किनारे ले गया क्योंकि मैं पास में ही रहता हूं।

मैंने अपने दोस्तों, अजय और राकेश को बुलाया। उन्हें बताया कि वे भी छठ मना रहे हैं। जानकारी मिलने पर राकेश भी साथ जुड़ गए। बता दें कि छठ पूजा बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान भास्कर से जुड़ी आस्था के कारण लोग छठ व्रत करते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि पृथ्वी पर जीवन कायम रहने का बड़ा आधार सूर्य ही हैं। छठ पूजा लंबे, स्वस्थ, समृद्ध जीवन जीने के लिए सूर्य देव से आशीर्वाद लेने के लिए भी की जाती है।

पंचायतों में धन का दुरुपयोग

प्रधानों और अधिकारियों को नोटिस, साढ़े 12 करोड़ रुपए होंगे वसूल

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला। पंचायतों में विकास कार्यों में करोड़ों रुपये की धनराशि के दुरुपयोग के मामले में पंचायत प्रधानों और अधिकारियों के खिलाफ वसूली नोटिस जारी किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में पंचायतों में विकास कार्यों में करोड़ों रुपये की धनराशि के दुरुपयोग के मामले में पंचायत प्रधानों और अधिकारियों के खिलाफ वसूली नोटिस जारी किए गए हैं। पंचायतीराज विभाग ने पंचायतों के माध्यम से करीब 150 जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के विरुद्ध बकाया वसूली के लिए नोटिस जारी किए हैं।

ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के 13 विकास खंडों से करीब 1.83 करोड़ रुपये की धनराशि में गड़बड़ियां पाई गई हैं। तत्कालीन पंचायत प्रधान, पूर्व प्रधान, सचिव एवं तकनीकी अधिकारियों से भी वसूली की जानी है। इसके अलावा कई पूर्व प्रधानों पर भी गाज गिरना लगभग तय है। गौरतलब है कि गांवों की तरक्की, विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए ग्राम निधि में पंचायतीराज विभाग की ओर से करोड़ों की राशि जारी की जाती है। अक्तूबर 2023 की मासिक ऑडिट रिपोर्ट में ग्राम पंचायतों में दोबारा अनियमितता उजागर हुई है।

इसमें केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से कार्य के लिए जारी राशि के दस्तावेजों में गड़बड़ियां पकड़ी गई हैं। इसके तहत जनप्रतिनिधियों से करीब 1.42 करोड़ और अधिकारियों से करीब 41 लाख की राशि वसूल जानी है। हालांकि सितंबर महीने में सिर्फ अधिकारियों की ओर से महज 1,925 रुपये की वसूली कर राशि ग्राम निधि खाता में जमा करवाई गई है। बता दें कि मंडी, कांगड़ा के बाद शिमला जिला वसूली रिपोर्ट में तीसरे नंबर पर है। इधर जिला पंचायत अधिकारी यशपाल शर्मा ने बताया कि पंचायत प्रधान और कर्मियों से वसूले जाने वाली धनराशि के लिए नोटिस जारी किए हैं।

संधोल में महिलाओं का धरना जारी, गीतों के जरिये सरकार तक पहुंचा रहीं अपनी आवाज

विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने के लिए महिलाएं लगातार कर रही हैं संघर्ष

दर्पण न्यूज सर्विस

धर्मपुर (मंडी)। उपमंडल के सिविल अस्पताल संधोल में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने के लिए महिलाएं लगातार संघर्ष कर रही हैं। पांच दिन से तहसील कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन जारी है।

धरने में महिला मंडलों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भी भाग ले रही हैं। उपस्थित महिलाएं सरकार का ध्यान खींचने के लिए गीतों के माध्यम से अपनी मांगों को उठा रही हैं। महिला मंडल अब पीछे हटने को तो तैयार नहीं है और दिन प्रतिदिन महिलाओं को विभिन्न पंचायतों की महिलाओं का खुलकर समर्थन मिल रहा है।

धरने पर बैठी महिलाओं का कहना है कि अभी तक सरकार की ओर से उनके साथ किसी ने कोई बात नहीं की गई है। महिला मंडलों की संयोजक पूनम ठाकुर ने सरकार से आग्रह किया कि उनकी मांगों को जल्द पूरा किया जाए, ताकि लोगों को यहां अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

वहीं उन्होंने सरकार से यह भी आग्रह किया कि जिन भवनों का कार्य शेष बचा है और जो कार्य बंद पड़े है उन्हें तुरंत शुरू करवाया जाए। बताया कि उनका मंच एक गैर राजनीतिक मंच है और इसमें सभी लोग जुड़ रहे हैं। कहा कि संधोल सिविल अस्पताल में न तो महिला रोग विशेषज्ञ, न बाल रोग विशेषज्ञ, न हड्डी रोग विशेषज्ञ, न रेडियोजोलिस्ट और न ही अन्य विशेषज्ञ हैं। इससे मरीजों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार को जनहित में तुरंत उनकी मांग को पूरा कर देना चाहिए, ताकि लोगों को स्वास्थ्य क्षेत्र में आ रही समस्या से निजात मिल सके।

एम्स बिलासपुर में 55 पदों पर निकली भर्ती

जानें आवेदन की अंतिम तिथि

बिलासपुर। एम्स में जूनियर रेजिडेंट 52 पदों में अनारक्षित-12, ईडब्ल्यू-10, अनुसूचित जाति-5, अनुसूचित जनजाति-3 और ओबीसी कोटे से 22 पद भरे जाएंगे। एम्स बिलासपुर में 55 विभिन्न पदों पर भर्ती की जा रही है। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर (डेंटिस्ट्री) के दो और और जूनियर रेजिडेंट के 52 और जूनियर रेजिडेंट (डेंटिस्ट्री) का एक पद भरा जाएगा। एम्स प्रबंधन की ओर से इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। जूनियर रेजिडेंट 52 पदों में अनारक्षित-12, ईडब्ल्यू-10, अनुसूचित जाति-5, अनुसूचित जनजाति-3 और ओबीसी कोटे से 22 पद भरे जाएंगे। जूनियर रेजिडेंट (डेंटिस्ट्री) का एक पद ओबीसी कोटे से भरा जाएगा। इन पदों में छह पद दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर रखी गई है। उम्मीदवार का स्टेट या सेंट्रल मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत होना चाहिए।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के लिए आवेदन शुल्क 590 रुपये जीएसटी के साथ और अन्य के लिए 1180 रुपये जीएसटी के साथ तय किया गया है। 28 नवंबर को एम्स बिलासपुर में सुबह 8:30 बजे से इन पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। कोई भी साक्षात्कार ऑनलाइन माध्यम से नहीं होगा। असिस्टेंट प्रोफेसर (डेंटिस्ट्री) के दो पदों में एक पद ईडब्ल्यूएस और एक पद ओबीसी कोटे से भरा जाएगा। इसके लिए उम्मीदवार को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा। उम्मीदवार डेंटल मेडिकल काउंसिल से पंजीकृत होना चाहिए। 7 दिसंबर तक उम्मीदवार आवेदन कर सकता है और 10 दिसंबर तक आवेदन फॉर्म की हार्ड कॉपी एम्स बिलासपुर में जमा करवानी होगी। इसके लिए भी एम्स में ही साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। एम्स बिलासपुर की ओर से आधिकारिक वेबसाइट पर इसके लिए जानकारी साझा की गई है। साथ ही आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार एम्स की आधारिक वेबसाइट से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मनाली में पर्यटन कारोबार ने पकड़ी रफ्तार, पांच दिन में 15,000 से अधिक पर्यटक वाहन पहुंचे

दर्पण न्यूज सर्विस

कुल्लू। रोहतांग दर्रा समेत मनाली के पर्यटन स्थलों में रौनक बढ़ गई है। शाम होते ही मनाली मालरोड भी पर्यटकों से गुलजार होने लगा है। शनिवार को 654 पर्यटक वाहन रोहतांग पहुंचे। सर्दी की दस्तक और पहाड़ों में बीते दिनों हुई ताजा बर्फबारी के बाद मनाली का पर्यटन कारोबार रफ्तार पकड़ने लगा है। पिछले पांच दिनों में मनाली में 15,000 से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं। रोहतांग दर्रा समेत मनाली के पर्यटन स्थलों में रौनक बढ़ गई है। शाम होते ही मनाली मालरोड भी पर्यटकों से गुलजार होने लगा है।

शनिवार को 654 पर्यटक वाहन रोहतांग पहुंचे। पांच दिनों में करीब 3,000 पर्यटक वाहनों में हजारों पर्यटक रोहतांग दर्रा पहुंचे और बर्फबारी का आनंद लिया। बर्फबारी के बाद रोहतांग दर्रा सैलानियों की पहली पसंद बन गया है। यहां गाड़ी से उतरकर पर्यटकों को आसानी से बर्फ देखने को मिल रही है। पर्यटक रोहतांग दर्रे के दीदार कर वापसी में कोकसर होते हुए अटल टनल के भी दीदार कर रहे हैं। मंगलवार से ही पर्यटन कारोबार ने गति पकड़ ली थी।

मंगलवार को 421, बुधवार को 578, वीरवार को 648 और शुक्रवार को 654, शनिवार को 654 पर्यटक वाहन परमिट लेकर रोहतांग दर्रे में पहुंचे। पर्यटकों की आमद बढ़ने से मनाली के सभी पर्यटन कारोबारियों को राहत मिली है। होटल 30 से 40 प्रतिशत कमरे पैक बताए जा रहे हैं। हालांकि छोटे होटलों की बुकिंग फिलहाल कम ही है। होटलियर एसोसिएशन के चीफ पेटर्न एवं फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर ने कहा कि मनाली की रौनक बढ़ गई है। बुकिंग भी अच्छी चल रही है। इससे प्रतीत हो रहा है कि इस साल नव वर्ष सीजन भी अच्छा रहेगा।

एसडीएम मनाली रमन शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि रोहतांग जाने वाले पर्यटक वाहनों की संख्या भी बढ़ी है। रोहतांग दर्रे में पर्यटकों की आवाजाही मौसम पर निर्भर रहेगी।

कॉलेजों में वर्ष में दो बार होंगे रोजगार मेले : आरएस बाली

दर्पण न्यूज सर्विस

नगरोटा बगवां (कांगड़ा)। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राज्य के सभी महाविद्यालयों में वर्ष में दो बार रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे।

स्पेशल प्लेसमेंट ड्राइव भी चलाई जाएगी। शनिवार को बड़ोह के राजकीय महाविद्यालय में केंद्रीय छात्र संघ के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वर लहरी में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे बाली ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को उनके घर-द्वार बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में वोकेशनल शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। पाठ्यक्रम की समीक्षा की जा रही है, जिससे रोजगार आधारित नवीनतम कोर्स शुरू किए जा सकें। आरएस बाली ने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आरएस बाली ने बड़ोह महाविद्यालय की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने खेल के मैदान के लिए 15 लाख रुपये देने और मैदान के साथ बाउंड्री वाल लगाने की भी घोषणा की। इसके साथ ही महाविद्यालय के लिए तीन स्मार्ट क्लासरूम, एक वर्चुअल क्लासरूम, 10 कंप्यूटर और 10 बेंच देने की भी घोषणा की। उन्होंने महाविद्यालय के छात्रों के लिए बैडमिंटन, वॉलीबाल और क्रिकेट की तीन-तीन किट्स देने की भी घोषणा की। उन्होंने नगरोटा से चंडीगढ़ वाया कंडी, बड़ोह रूट पर बंद एचआरटीसी की बस को सोमवार से चलाने की भी घोषणा की।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

पंजाब से आई खेप, हिमाचली मटर के दाम धड़ाम, गृहिणियां खुश

दर्पण न्यूज सर्विस

मंडी। दीपावली तक हिमाचली मटर के मुंह मांगे दाम मिलने के बाद अब दाम घटने से किसानों में मायूसी है। पंजाब का मटर मंडियों में पहुंचने से हिमाचल के मटर के दाम 50 फीसदी गिर गए हैं। दीपावली तक हिमाचली मटर के मुंह मांगे दाम मिलने के बाद अब दाम घटने से किसानों में मायूसी है।

इन दिनों हिमाचल का मटर 100 रुपये प्रति किलो के बजाय 40 से 50 रुपये बिकने लगा है। पंजाब की मंडियों में भी हिमाचली मटर के रेट 50 से 55 रुपये प्रति किलो मिल रहे हैं। मंडी जिला में हर साल बेमौसमी मटर का कारोबार 20 से 25 करोड़ रुपये का होता है।

किसानों जीत कुमार, हेमराज, देवी राम, दिनेश कुमार, वेद प्रकाश, नन्द लाल, दौलत राम, डोलेराम, प्रेम सिंह, दिवान चंद, नारायण दास और गीता नंद ने बताया कि उन्हें 100 रुपये के बजाय अब मटर के 40 से 50 रुपये प्रति किलो भाव से दाम मिल रहे हैं। जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। नाचन फल सब्जी उत्पादक संघ के उपाध्यक्ष प्रेम ठाकुर ने मंडियों में उपरोक्त दाम मिलने की पुष्टि की है। चैलचौक सब्जी मंडी के आढ़ती हंसराज ठाकुर और मनोज ठाकुर ने बताया कि पंजाब के मटर ने हिमाचली मटर के कारोबार को भारी नुकसान पहुंचाया है।

मंडी मार्केट कमेटी बोर्ड के सचिव विवेक चंदेल ने बताया कि मंडी जिला की सब्जी मंडियों में हर साल बेमौसमी मटर 25 सौ क्विंटल आता है। उन्होंने कहा कि अधिकतर किसान व्यापारियों के माध्यम से सीधा पड़ोसी राज्यों की मंडियों में भेज देते हैं।

हिमाचल की तीन महिलाएं को हरियाणा के मानेसर में उड़ा रहीं ड्रोन

कल से जारी होगी इलेक्ट्रिक वाहन की खेप

इलेक्ट्रिक वाहन की खेप प्रदेश में ड्रोन से पहले जारी होगी। जिला ऊना में प्रदेश का पहला इलेक्ट्रिक वाहन चरूड़ू गांव से चयनित उम्मीदवार के लिए जारी होगा। इसके बाद ट्रेनिंग लेने वाले सभी लोगों को इस वाहन को दिया जाएगा। 20 नवंबर को पहला इलेक्ट्रिक वाहन चरूड़ू पहुंचेगा। हालांकि चरुड़ू के चयनित व्यक्ति को अभी ड्रोन का प्रशिक्षण मिलना बाकी है। लेकिन उसके लिए ड्रोन व इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग पहले की है। जबकि ड्रोन उड़ाने के लिए महिलाओं की भागीदारी का फैसला बाद में लिया गया।

हिमाचल प्रदेश से चयनित लोगों में सबसे पहले तीन महिलाओं को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है। इसके बाद दिसंबर में अन्य उम्मीदवारों का प्रशिक्षण भी होगा। प्रशिक्षण पाने वालों को क्रमवार तरीके से ड्रोन और इलेक्ट्रिक वाहन दिए जाएंगे। कृषि और बागवानी में इस मुहिम के शानदार परिणाम सामने आएंगे।

-भुवनेश पठानिया, राज्य विपणन प्रबंधक, इफको।

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद दिसंबर माह की शुरूआत से प्रदेश में ड्रोन की खेप भी जारी होगी। हिमाचल प्रदेश की तीन महिलाएं हरियाणा के मानेसर में ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण ले रही हैं। यह प्रशिक्षण 16 से 30 नवंबर तक होगा। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद दिसंबर माह की शुरूआत से प्रदेश में ड्रोन की खेप भी जारी होगी।

इससे महिलाएं खेतों व बगीचों में कीटनाशक व खाद का ड्रोन से छिड़काव करेंगी। जानकारी के अनुसार इफको की ओर संचालित ड्रोन उड़ाने के प्रशिक्षण में चयनित महिलाओं में दो मंडी जिला की रहने वाली हैं। इनमें एक महिला करसोग की रहने वाली जीनत व दूसरी बल्ह घाटी की आरती हैं। सिरमौर जिला के पांवटा साहिब की माजरा सोसाइटी में निवासी परमजीत कौर भी इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रही हैं। इन तीन महिलाओं को हरियाणा के मानेसर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसे पूरा करने के बाद सभी महिलाओं को दिसंबर माह में ड्रोन भी दिए जाएंगे, जिसके लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

इसके साथ एक इलेक्ट्रिक वाहन (थ्री व्हीलर) भी जारी किया जाएगा, जिसका इस्तेमाल ड्रोन को एक से दूसरे स्थान पर सुगम तरीके से लेकर जाने में होगा।

शाहपुर में चार मंजिला बनेगा मॉडर्न पुलिस थाना

दर्पण न्यूज सर्विस

शाहपुर (कांगड़ा)। शाहपुर में भाजपा सरकार के समय बने मिनी सचिवालय की तर्ज पर मॉडर्न पुलिस थाने का नया भवन भी शाहपुर की शान बढ़ाएगा। चार मंजिला बनने वाला यह भवन पूरी तरह से आधुनिक होगा। इस समय इसकी नींव बनकर तैयार हो चुकी है। इस भवन पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह भवन मनाली पुलिस थाने की तर्ज पर बनाया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक थाने के ग्राउंड फ्लोर में पार्किंग की व्यवस्था की गई है जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल में थाना प्रभारी व अन्य स्टाफ के बैठने की व्यवस्था, कारागार, मेस, मालखाना और मीटिंग हॉल बनेगा। चौथी मंजिल को फिलहाल खाली रखा जाएगा। उसका उपयोग फोरलेन निर्माण के बाद किया जाएगा क्योंकि फोरलेन निर्माण के बाद शाहपुर पुलिस थाने का महत्व बढ़ जाएगा। शाहपुर का पुलिस थाना ही फोरलेन के निकट होगा। ऐसे में पेट्रोलिंग व अन्य कार्यों के लिए थाने में कर्मियों और ट्रैफिक पुलिस के जवानों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस भवन का निर्माण कार्य बीएसएनएल करवा रहा है। करीब तीन माह पहले मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस आधुनिक पुलिस थाने का वर्चुअल के माध्यम से नींव पत्थर रखा था।

हालांकि पूर्व की जयराम सरकार के समय दिसंबर में चुनाव के दौरान इसका नींव पत्थर रखा गया था, लेकिन टोकन मनी देने के अतिरिक्त यह काम आगे नहीं बढ़ पाया था। लिहाजा शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने विधानसभा में पहुंचते ही इसको लेकर प्रक्रिया तेज कर दी और कुछ ही माह बाद पांच जुलाई को इसका सीएम सुक्खू से शिलान्यास करवाया था।

मांग

काउंसलिंग प्रक्रिया को पूरा करने की मांग की

शास्त्री शिक्षकों की काउंसलिंग रद्द होने पर गरजे अभ्यर्थी

दर्पण न्यूज सर्विस

धर्मशाला। जिला मुख्यालय में प्रस्तावित शास्त्री अध्यापकों के 52 पदों को भरने के लिए की जा रही काउंसलिंग के रद्द होने पर एलिमेंटरी शिक्षा विभाग के कार्यालय के बाहर अभ्यर्थी खूब गरजे। दूरदराज इलाकों से काउंसलिंग के लिए पहुंचे अभ्यर्थियों का कहना था कि सरकार की ओर से रोकी गई काउंसलिंग उनके साथ अन्याय है। उन्होंने प्रदेश सरकार से जल्द काउंसलिंग प्रक्रिया को पूरा करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार एलिमेंटरी शिक्षा विभाग की ओर से 17 और 18 नवंबर को जिला मुख्यालय धर्मशाला में शास्त्री अध्यापकों के 52 पदों को भरने के लिए पात्र अभ्यर्थियों को कॉल लेटर जारी किए थे। इस दौरान 17 नवंबर को तो सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी हो गई, लेकिन 18 नवंबर को होने वाली ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग को प्रदेश सरकार ने रद्द कर दिया। इस भर्ती के लिए जिले के दूरदराज इलाकों के अभ्यर्थी 17 नवंबर को ही धर्मशाला पहुंच गए थे, लेकिन 18 नवंबर को भर्ती प्रक्रिया न होने के कारण उन्हें मायूसी हाथ लगी। धर्मशाला पहुंचे राकेश कुमार और इंदु सहित अन्य अभ्यर्थियों का कहना है कि एमए-बीएड वालों को शास्त्री काउंसलिंग के लिए मान्य किया गया था, जिसके चलते जिले के विभिन्न क्षेत्रों से अभ्यर्थी शनिवार को धर्मशाला पहुंचे थे।

वर्ष 2017 से लगातार काउंसलिंग में भाग ले रहे हैं। इस बार सरकार ने बीए संस्कृत और एमए संस्कृत वालों को शास्त्री के लिए पात्र माना है। हमें यहां पहुंचने पर बताया गया कि सरकार ने काउंसलिंग को रद्द कर दिया है। शुक्रवार को सामान्य वर्ग की काउंसलिंग हो चुकी है, जबकि शनिवार को एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणी के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग थी, जिसे सरकार ने रद्द कर दिया। धर्मशाला पहुंचे अभ्यर्थियों का कहना था कि उन्होंने भी बीए, एमए संस्कृत और बीएड की है।

इसके अलावा संस्कृत के डिप्लोमा किए हुए हैं। इसके अलावा कई अभ्यर्थी एमफिल और पीएचडी धारक हैं। अभ्यर्थियों का कहना था कि वे वर्ष 2017 से काउंसलिंग में भाग ले कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें नकारा जा रहा है। सीएम को भेजे पत्र में अभ्यर्थियों ने कहा है कि बीए और एमए संस्कृत वालों को भर्ती के लिए पात्र माना जाए। इस दौरान अभ्यर्थियों ने सीएम को पत्र भेजकर एक सप्ताह के भीतर काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में छह दिनों तक मौसम साफ, ऊना में 30 डिग्री सेल्सियस पहुंचा अधिकतम तापमान

शिमला। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होते ही प्रदेश में ठंड कम हुई है। शनिवार को अधिकतम तापमान में शुक्रवार के मुकाबले दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज हुई। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला समेत प्रदेशभर में शनिवार को मौसम साफ रहा। धूप खिलने से ऊना का अधिकतम तापमान बढ़कर 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 24 नवंबर तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान लगाया है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होते ही प्रदेश में ठंड कम हुई है। शनिवार को अधिकतम तापमान में शुक्रवार के मुकाबले दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज हुई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 26.8, सुंदरनगर में 26.9, मंडी में 25.7, भुंतर में 25.5, नाहन में 25.4, धर्मशाला-सोलन में 25.0, चंबा में 24.9, शिमला में 19.2, कल्पा में 18.1, मनाली में 17.4 और केलांग में 14.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शुक्रवार रात को केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 0.8, समदो में 0.2, मनाली में 3.4, कल्पा में 3.6, डलहौजी में 6.3, सोलन में 6.8, मंडी में 7.0, शिमला में 9.1 और धर्मशाला में 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल पर सुबह सरकार का कब्जा, शाम को लगा हाईकोर्ट से स्टे

शिमला। छराबड़ा स्थित होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल पर सरकार ने शनिवार को कब्जा ले लिया। कब्जे के कुछ ही घंटों के भीतर कंपनी हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर लेकर आई गई। शिमला जिले के छराबड़ा स्थित होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल पर सरकार ने शनिवार को कब्जा ले लिया। कब्जे के कुछ ही घंटों के भीतर कंपनी हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर लेकर आई गई। हाईकोर्ट ने होटल पर कब्जे के आदेश पर रोक लगा दी है। मामले में मंगलवार को फिर सुनवाई होगी। कंपनी ने दल सरकार ने जल्दबाजी दिखाते हुए हाईकोर्ट के आदेशों को अन्यथा लेकर होटल अपने अधीन ले लिया। कोर्ट ने प्रार्थी कंपनी की दलीलों पर फिलहाल सहमति जताते हुए कहा कि सरकार से विकल्प पूछा था कि न की संपत्ति पर कब्जे के आदेश दिए थे। लंबे समय से संपत्ति को लेकर प्रदेश सरकार और होटल ग्रुप के बीच कोर्ट केस चल रहा है। इस पर शनिवार को पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने होटल वाइल्ड फ्लावर हॉल पर कब्जा ले लिया। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि न्यायालय की अनुमति के बाद कब्जा लिया गया। होटल समूह को करीब 120 करोड़ सरकार को देने हैं। मुख्यमंत्री की इच्छाशक्ति से यह मामला सुलझ पाया है। होटल में ठहरे सैलानियों और बुकिंग करवाने वाले लोगों को कोई समस्या पेश नहीं आएगी। होटल का संचालन जैसे चल रहा है, उसी तरह चलता रहेगा।

एथलेटिक मीट में डीएवी मनई का प्रदर्शन शानदार

लंज (कांगड़ा)। धर्मशाला में हुई राजकीय राज्यस्तरीय एथलेटिक मीट प्रतियोगिता में डीएवी मनेई के चार खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। अंशुल ने पांच पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। अनुज ने रिले रेस में गोल्ड मेडल जीते। आशीष ने 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीता। सक्षम ने ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता। स्कूल की चेयरपर्सन पीसाफ्त, एआरओ विक्रम सिंह, प्रबंधक डॉ. रश्मि जमवाल और डीएवी मनेई के प्रधानाचार्य दिनेश कौशल ने शारीरिक शिक्षक और स्टाफ को बधाई दी है।

सड़क पर अतिक्रमण, दो दुकानदारों के खिलाफ केस

लंबागांव (कांगड़ा)। जयसिंहपुर बाजार में बढ़ रहे अतिक्रमण और वाहनों की बेतरतीब पार्किंग से होने वाली परेशानी को लेकर स्थानीय प्रशासन ने व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जयसिंहपुर बाजार में कई दुकानदारों की ओर से दुकानों के बाहर सामान को फैलाकर रखा जाता है, जिससे बाजार में आने वाले लोगों को परेशानी होती है। साथ ही साथ बाजार के आसपास सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से पार्क किए गए वाहनों के कारण जाम की स्थिति बन जाती है लेकिन अब स्थानीय प्रशासन ने इन सब मामलों में सख्ती से निपटना शुरू कर दिया है। शनिवार को एसडीएम संजीव ठाकुर ने राजस्व विभाग और पुलिस टीम को साथ लेकर औचक निरीक्षण किया। परिणामस्वरूप स्टेडियम के साथ बनी खेल विभाग की दुकानों में सड़क पर अतिक्रमण को लेकर आईपीसी की धारा 283 के तहत दो दुकानदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। अवैध पार्किंग को लेकर 18 वाहनों के चालान काटे गए हैं। इसके अतिरिक्त खेल विभाग की ओर से किराये पर दी गई दुकानों में लंबे समय से दुकानों का किराया न देने पर 16 दुकानदारों को नोटिस जारी कर एक दिसंबर तक किराया जमा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि जयसिंहपुर बाजार सहित ऐतिहासिक चौगान के सौंदर्यीकरण को लेकर भी कड़ाई से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि चौगान के अंदर किसी भी प्रकार के वाहनों के प्रवेश को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने जिला खेल अधिकारी को भी जयसिंहपुर का भ्रमण कर दुकानों और स्टेडियम से जुड़े मसलों को सुलझाने के निर्देश दिए गए हैं।

डिस्पेंसरी का ताला तोड़कर दवाइयां चोरी

धर्मशाला। जोनल अस्पताल धर्मशाला में स्थित डिस्पेंसरी में शुक्रवार देररात चोर ताला तोड़कर दवाइयां चुरा ले गए हैं। अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों में कैद चार अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जोनल अस्पताल धर्मशाला के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय दत्ता ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब ढाई बजे चार अज्ञात चोरों ने डिस्पेंसरी का ताला तोड़कर डिब्बों से करीब 500-500 कैप्सूल चुराए हैं। हालांकि इसके अलावा और कुछ चोरी नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि ये चारों अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुके हैं जबकि शनिवार सुबह इस मामले के बारे में पता चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। वहीं पुलिस थाना धर्मशाला की टीम ने अस्पताल का दौरा कर मामले की जांच कर ली है। पुलिस थाना धर्मशाला के प्रभारी सुरेंद्र ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने चारों अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाइसा में तीन घरों में चोरी, नकदी और जेवरात उड़ाए

देहरागोपीपुर (कांगड़ा)। पुलिस थाना देहरा के तहत गांव सिहोटी खुर्द (पाइसा) में शुक्रवार रात को तीन घरों में एक साथ चोरी हो गई। चोर दो घरों से नकदी और एक घर से कुछ जेवरात चोरी करके ले गए हैं। पुलिस ने मामलों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक घटना शुक्रवार देर रात की है। पंचायत प्रधान शमशेर सिंह ने बताया कि उन्हें सुबह पता चला कि इलाके के तीन घरों को चोरों ने निशाना बनाया है। इनमें से एक का मालिक दिल्ली में रहता है। प्रधान के अनुसार चोर स्वराज सिंह के घर से 47 हजार रुपये, सीमा देवी की घर से करीब 10 हजार रुपये उड़ा ले गए। इसके अलावा दिल्ली में रह रहे सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर आरएस रांगड़ा के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। माना जा रहा है कि यहां से वे नकदी और कुछ गहने चुरा ले गए। हालांकि चोरी का सही पता रागंड़ा के यहां पहुंचने पर ही चलेगा। डीएसपी अनिल कुमार का कहना है कि तीन घरों में चोरी की सूचना है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

पैरापिट से टकराया ट्रक, बाल-बाल बचे यात्री

कांगड़ा। मटौर-शिमला राष्ट्रीय उच्च मार्ग श्राद बड़ मंदिर के पास एक ट्रक तकनीकी खराबी के चलते पीछे की ओर होने लगा। यूपी के सहारनपुर से श्रद्धालुओं का एक जत्था देर रात्रि कांगड़ा की ओर आ रहा था कि तभी पुराना कांगड़ा के श्राद बड़ मंदिर के पास ट्रक चढ़ाई चढ़ने के बजाय पीछे की ओर आने लगा। इस दौरान ट्रक पैरापिट से जा टकराया। इस वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। माल वाहक वाहन में करीब 20-25 श्रद्धालु सवार थे। पैरापिट से टकराने के बाद खड़े हुए ट्रक में बैठे लोगों की जान में जान आई। सरकार की ओर से माल वाहक वाहनों में श्रद्धालुओं को लाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। बावजूद कई श्रद्धालु बाहरी राज्यों से इन वाहनों में आते हैं। इससे किसी बड़े हादसे की आंशका बनी रहती है। हालांकि पुलिस में इस संदर्भ में किसी तरह का मामला दर्ज नहीं किया गया है।

पार्षद ने विकास न होने पर दी हड़ताल की चेतावनी

बैजनाथ (कांगड़ा)। नगर पंचायत के वार्ड नंबर पांच पंतेहड़ के पार्षद विनोद कुमार ने शनिवार को उपमंडल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि मेरे वार्ड में विकास कार्य बिल्कुल ठप पड़े हैं। हर बार हाउस में लॉलीपॉप थमा दिया जाता है। ऐसे में भी भूख हड़ताल पर बैठने में गुरेज नहीं करेंगे। वार्ड सदस्य ने कहा कि नगर पंचायत बैजनाथ पपरोला में पंतेहड़ पंचायत को 2016 में नगर पंचायत में सम्मिलित किया गया। उन्होंने कहा कि मेरा संकल्प था कि इस बार को भी शहर की तरह विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि एक वर्ष से वार्ड में नगर पंचायत के फंड से कोई भी काम शुरू नहीं हुआ। हर हाउस में मुझे लॉलीपॉप दिया जाता है। वार्ड के रास्तों के पक्के न होने के कारण बरसात के दिनों में लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। स्ट्रीट लाइट के कुछ पोल डेढ़ वर्ष पहले लग चुके हैं और आज दिन तक एक भी लाइट नहीं लगी। 130 वाट की लाइट पिछले आठ माह से बंद पड़ी है, जिले ठीक नहीं करवाया जा रहा है। हालांकि नगर पंचायत के पास विकास कार्य के लिए पर्याप्त फंड है, लेकिन मेरे वार्ड में कोई काम नहीं करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वार्ड में हरिजन बस्ती में जल शक्ति विभाग ने रास्ता उखाड़ दिया गया था। आज दिन तक उसे रास्ते को दुरुस्त नहीं करवाया गया है। उन्होंने कहा कि हर बैठक में सिर्फ चाय और बिस्किट खिलाकर घर आ जाते हैं, लेकिन समस्याएं वहीं की वहीं धरी पड़ी हैं। उन्होंने उपमंडल अधिकारी (नागरिक) से इन सभी समस्याओं को दूर करने के आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के भीतर विकास कार्य शुरू नहीं करवाएंगे तो वह एसडीएम कार्यालय प्रांगण में अनशन व भूख हड़ताल बैठने में मजबूर होंगे।

फाइनल में हारा भारत, जिस गेंदबाजी के दम पर यहां तक पहुंचे, वही गेंदबाजी फाइनल में हुई बेअसर

दर्पण न्यूज सर्विस

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीत लिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 240 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम इंडिया जिस गेंदबाजी के दम पर फाइनल तक पहुंची थी, वही गेंदबाजी फाइनल में बेअसर दिखी। न सिर्फ गेंदबाजी बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय खिलाड़ी फ्लॉप हुए। भारतीय गेंदबाजों ने जहां इस मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में विपक्षी टीम को अपनी सीम और स्विंग से परेशान किया था, इस मैच में शुरूआती कुछ ओवरों में जरूर सीम और स्विंग देखने को मिली, लेकिन 15 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पूरी तरह जम गए। ट्रेविस हेड ने शानदार शतक और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक लगाया औ भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया। हम आपको हार के 10 कारणों के बारे में बता रहे हैं....

शुभमन, श्रेयस और सूर्यकुमार की खराब बल्लेबाजीः जब भारतीय टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी थी, उस वक्त तेज गेंदबाजों को मदद नहीं मिल रही थी। शुभमन गिल ने खराब शॉट खेलकर अपना विकेट फेंका, वहीं श्रेयस अय्यर कट लगाने के चक्कर में विकेटकीपर को कैच दे बैठे। आखिर में सूर्यकुमार के पास काफी ओवर थे, लेकिन वह कुछ न कर सके और महज 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।ः ऑस्ट्रेलिया की बेहतरीन फील्डिंगः फाइनल से पहले तक ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग हो या बॉलिंग या फील्डिंग कुछ खास नहीं दिखी थी। हालांकि, फाइनल में कंगारुओं ने गजब की फील्डिंग की। उन्होंने कई चौके बचाए और साथ ही भारतीय खिलाड़ियों को सिंगल लेने से भी रोका। ऐसा लग रहा था कि मैदान पर 15-20 खिलाड़ी फील्डिंग कर रहे हैं। उनकी फील्डिंग की वजह से भारत पूरे मैच में सिर्फ 13 चौके लगा पाया। 11 से 50 ओवर के बीच तो भारत सिर्फ चार चौके लगा पाया।

मिडिल ओवर्स में बाउंड्री की कमीः पूरे टूर्नामेंट में विस्फोटक बल्लेबाजी करने वाली भारतीय टीम की पोल फाइनल में खुल गई। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम इंडिया ने आक्रामक शुरूआत की थी। हालांकि, बीच के ओवरों में भारतीय पारी पटरी से उतर गई। टीम इंडिया को इसी का खमियाजा भुगतना पड़ा है। जहां पिछले मैचों में भारत के मध्यक्रम ने शुरूआत में जल्दी विकेट गिरने पर पारी को संभाल लिया था, लेकिन इस मैच में ऐसा नहीं हो सका। भारतीय मध्यक्रम ने पारी संभालने की कोशिश तो की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से नहीं रोक सके। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया ने यह भी दिखाया कि पार्ट टाइम गेंदबाज किसी मैच में कितना प्रभाव डाल सकते हैं। इस मैच में भारतीय बल्लेबाज कुल मिलाकर 13 चौके और तीन छक्के लगा सके।

ऑस्ट्रेलिया के लिए इस मैच में तीन पार्ट टाइमर्स ने गेंदबाजी की। इनमें ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड शामिल हैं। इन्होंने 10 ओवर में 44 रन दिए और रोहित शर्मा का विकेट निकालने में सफल रहे। उन्हें मैक्सवेल ने कैच कराया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने बताया कि टीम में अतिरिक्त गेंदबाज होना कितना फायदेमंद होता है। तीन पार्ट टाइमर्स की किफायती गेंदबाजी भी

मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। तीन विकेट गिरने के बाद भारत के पांचों गेंदबाज विकेट के लिए जूझते दिखे। ऐसे में टीम इंडिया को छठे गेंदबाज की कमी खली। हार्दिक पांड्या की कमी इस मैच में खली। वह अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प होने के साथ-साथ गेंदबाजी का भी विकल्प देते हैं।

भारत ने गेंदबाजी की शुरूआत तो अच्छी की थी, लेकिन इस मैच में प्लान में कुछ बदलाव किया गया। जहां शमी को पहले एक चेंज के रूप में लाया जा रहा था। इस मैच में शमी बुमराह के बाद दूसरा ओवर लेकर आए। उन्होंने काफी एक्स्ट्रा रन लुटाए। खराब विकेटकीपिंगः इस मैच में राहुल ने काफी खराब विकेटकीपिंग की। उनके अगल बगल से गेंद निकलती गई और इस तरह भारत के हाथों से मैच भी निकलता रहा।

जहां एक तरफ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने फील्डिंग में अपना सबकुछ झोंक दिया, वहीं भारतीय खिलाड़ी मैदान पर फील्डिंग में बहुत ही खराब रहे। उन्होंने एफर्ट नहीं लगाया और उनके सामने से चौके निकलते रहे। ट्रेविस हेड ने एक बार फिर भारत को हराया है। इससे पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2023 फाइनल में भी ट्रेविस हेड ही भारत की हार का कारण बने थे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 174 गेंद में 163 रन की पारी खेली थी।

इस मैच में भारतीय स्पिनर्स कोई विकेट नहीं ले पाए। यह इस पूरे टूर्नामेंट में पहली बार है जब भारतीय स्पिनर्स कोई विकेट नहीं ले पाए हों। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा की गेंद पर ट्रेविस हेड ने खूब रन बनाए। इससे पहले तीन मैचों में भारत ने टॉस जीता था। हालांकि, फाइनल में भारतीय टीम टॉस हार गई। भले ही रोहित ने ये कहा हो कि वह पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे, लेकिन यह तो ऊपर वाला ही जानता है कि रोहित क्या फैसला लेते। इसके अलावा भारतीय गेंदबाजों का साथ भी किस्मत ने नहीं दिया। 28वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद सीधे जाकर लाबुशेन के पैड पर लगी। डीआरएस में अंपायर्स कॉल हुआ। अगर उस वक्त एक विकेट मिलता तो भारतीय टीम पासा पलट सकती थी।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। कमिंस ने पिच को बेहतर तरीके से जाना और भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया। इसका फायदा उठाते हुए उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया। रोहित शर्मा ने जरूर शुरू में कुछ आक्रामक शॉट लगाकर भारत को तेज शुरूआत दिलाई, लेकिन पांचवें ओवर में शुभमन गिल का गलत शॉट खेलकर आउट होने से वह भी दबाव में आ गए।

रोहित जब दूसरी छोर से बड़े शॉट खेल रहे थे, ऐसे में शुभमन ने उन्हें स्ट्राइक देने की बजाय बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की और मिड ऑन पर कैच आउट हो गए। शुभमन सिर्फ सात गेंद में चार रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित भी बड़े शॉट के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। वह 31 गेंद में 47 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने चार चौके और तीन छक्के लगाए। 76 रन पर भारत ने दो विकेट गंवा दिए थे।

ऐसे में मैदान पर आए दो नए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विराट कोहली का काम पारी को संभालना था और स्ट्राइक को रोटेट करना था, लेकिन कमिंस ने श्रेयस को लेंथ बॉल पर विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाले श्रेयस चार रन बनाकर सस्ते में निपट गए। 81 रन तक टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विराट ने केएल राहुल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी निभाई।

ऐसा लग रहा था कि ये दोनों बल्लेबाज टिकने लगे हैं और अब रन रेट बढ़ाएंगे। तभी कमिंस ने विराट को बोल्ड कर दिया। वह 63 गेंद में चार चौके की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तो पुछल्ले बल्लेबाज आना शुरू हो गए। राहुल ने जरूर अर्धशतक लगाया, लेकिन जैसे ही रन रेट बढ़ाने की बारी आई, अपना विकेट फेंक कर चलते बने। उन्हें स्टार्क ने विकेटकीपर इंग्लिस के हाथों कैच कराया।

रवींद्र जडेजा (9) को हेजलवुड, मोहम्मद शमी (6) और जसप्रीत बुमराह (1) को जाम्पा ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। सूर्यकुमार यादव से उम्मीद थी कि वह कुछ रन बनाएंगे। उन्हें पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ बैटिंग करने को मिला, लेकिन सूर्या खुद स्ट्राइक लेने की बजाय पुछल्ले बल्लेबाजों को स्ट्राइक देने में ज्यादा यकीन रख रहे थे। कई मौकों पर उन्हें ओवर की आखिरी गेंद पर सिंगल लेते देखा गया और शमी-कुलदीप फिर से अगले ओवर में स्ट्राइक लेते दिखे। आखिरी में सूर्या (18) भी विकेट फेंक कर पवेलियन लौट गए। भारतीय टीम इस विश्व कप में पहली बार ऑलआउट हुई।

जहां भारत ने शुरूआती 10 ओवर में दो विकेट गंवाकर 80 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने नौ चौके और तीन छक्के लगाए थे। वहीं, 11 से 40 ओवर के बीच भारत ने तीन विकेट गंवाए और 117 रन बनाए। इस दौरान उनका स्कोरिंग रेट 3.9 का था। भारत ने 11 से 40 ओवर यानी 30 ओवरों में सिर्फ दो चौके लगाए। यह विश्व कप 2023 में 11 से 40 ओवर के बीच में किसी टीम द्वारा लगाए गए सबसे कम चौके हैं। इन 30 ओवरों में भारत इस विश्व कप में पहली बार कोई छक्का लगाने में कामयाब नहीं हो सका। 11 से 40 ओवर के बीच सबसे महंगा ओवर 10 रन का रहा जो 39वें ओवर में आया।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरूआत तो खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाजों ने स्विंग कराई। इसमें डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श और स्टीव स्मिथ फंस गए, लेकिन ट्रेविस हेड ने सूझबूझ से बल्लेबाजी की। वहीं, मार्नस लाबुशेन ने धीमी पारी खेली लेकिन हेड का बखूबी साथ निभाया। हेड ने 120 गेंद में 15 चौके और चार छक्के की मदद से 137 रन की पारी खेली। वहीं, लाबुशेन 110 गेंद में 58 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 192 रन की साझेदारी निभाई। भारत के लिए बुमराह ने दो और शमी को एक विकेट मिला। इस तरह भारतीय टीम तीसरी बार खिताब जीतने से चूक गई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार खिताब अपने नाम किया।

विश्व कप जीतने पर ऑस्ट्रेलिया को मिले 33 करोड़

दर्पण न्यूज सर्विस

अहमदाबाद। विश्व कप का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर छठी बार विश्व कप को जीत लिया है। वह आठ साल बाद चैंपियन बना है। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में खिताब पर कब्जा किया था। इस मैच को जीतने पर ऑस्ट्रेलिया टीम पर पैसों की बारिश हुई है। कंगारू टीम को 33.31 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं, भारत को 16.65 करोड़ रुपये से संतोश करना पड़ा है।

आईसीसी ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही प्राइज मनी की घोषणा कर दी थी। उसने टूर्नामेंट में प्राइज मनी का बजट 83.29 करोड़ रुपये (10 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रखा था। इसमें से विजेता बननी वाली टीम को 33.31 करोड़ रुपये (चार मिलियन अमेरिकी डॉलर) मिलेंगे। वहीं, फाइनल में हारनी वाली टीम को 16.65 करोड़ रुपये (दो मिलियन अमेरिकी डॉलर) मिलेंगे।

सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6.66 करोड़ रुपये (800,000 अमेरिकी डॉलर) मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, ग्रुप दौर में बाहर होने वाली छह टीमों पाकिस्तान, अफगानिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और नीदरलैंड को भी पैसे मिले हैं। इन छह टीमों को 83.29 लाख रुपये (100,000 अमेरिकी डॉलर) मिले। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम 50 ओवर में 240 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर मैच को जीत लिया। कंगारू टीम के लिए ट्रेविस हेड ने 141 रन की मैज जिताऊ पारी खेली। मार्नश लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए। मिचेल मार्श 15, डेविड वॉर्नर सात, स्टीव स्मिथ चार रन बनाकर आउट हुए। ग्लेन मैक्सवेल ने नाबाद दो रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया छठी बार विश्व विजेता बना है। वहीं, भारत का तीसरी बार ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। उसने टूर्नामेंट में लगातार 10 मैच जीते, लेकिन 11वें मुकाबले में टीम पिछड़ गई। भारत को दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। पिछली बार 2003 में रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली टीम ने हराया था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मैच देखने पहुंचे पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ आए नजर

दर्पण न्यूज सर्विस

अहमदाबाद। विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आमने-सामने हुईं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस मैच के देखने के लिए कई बड़ी हस्तियां पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दूसरी पारी के दौरान स्टेडियम में नजर आए। पीएम मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह नजर आए। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए

पीएम मोदी के अलावा बॉलीवुड हस्तियां भी पहुंचीं। शाहरूख खान, गौरी खान, आशा भोसले, अनुष्का शर्मा, आथिया शेट्टी समेत अन्य कई दिग्गज स्टेडियम में मौजूद रहे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत की टीम 50 ओवर में 240 रन पर सिमट गई। भारत के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 66 और विराट कोहली ने 54 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 47 और सूर्यकुमार यादव ने 18 रन बनाए। कुलदीप यादव ने 10 रनों का योगदान दिया। इन पांच खिलाड़ियों के अलावा कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। रवींद्र जडेजा नौ, मोहम्मद शमी छह, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल चार-चार रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह एक रन ही बना पाए। मोहम्मद सिराज नौ रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को दो-दो सफलता मिली। ग्लेन मैक्सवेल और एडम जम्पा ने एक-एक विकेट लिए। भारत के लिए इस मैच में विराट कोहली और केएल राहुल ने चौथे विकेट के लिए 67 रन की सबसे बड़ी साझेदारी की। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। रोहित, कोहली और राहुल अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, सूर्यकुमार बड़े मौके पर फेल हो गए। भारत पहली बार इस विश्व कप में ऑलआउट हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर मैच को जीत लिया। कंगारू टीम के लिए ट्रेविस हेड ने 141 रन की मैज जिताऊ पारी खेली। मार्नश लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए। मिचेल मार्श 15, डेविड वॉर्नर सात, स्टीव स्मिथ चार रन बनाकर आउट हुए। ग्लेन मैक्सवेल ने नाबाद दो रन बनाए।

बालीवुड दर्पण

अगले हफ्ते इन 5 कंटेस्टेंट का घर से होगा पत्ता साफ! दिखेगा सबसे बड़ा फेरबदल

'बिग बॉस 17' को लेकर तगड़ी खबर सामने आ रही है कि अगले हफ्ते ग्रुप एलिमिनेशन हो सकता है। शो में जहां कंटेस्टेंट लड़ाई-झगड़े करके और एड़ी से चोटी का दम लगाकर दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश में लगे हुए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बिग बॉस भी गेम में एक के बाद एक ट्विस्ट लेकर आ रहे हैं। कुछ दर्शकों का कहना है कि इस सीजन से अच्छा तो 'बिग बॉस ओटीटी 2' था तो दूसरी ओर टीआरपी की रेस में भी ये कुछ कमाल नहीं दिखा पा रहा है। ऐसे में अब मेकर्स ने नई चाल चलने का फैसला लिया है।

जी हां, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'बिग बॉस 17' से बड़ी खबर आ रही है कि अगले हफ्ते शो में बड़े बदलाव होंगे। एक दो नहीं बल्कि 5 एविक्शन होंगे और नए वाइल्ड कार्ड एंट्री को लाया जा सकता है। आइए बताते हैं क्या कहते हैं ये दावे। इन पांच कंटेस्टेंट का सफर अगले हफ्ते खत्म हो जाएगा। ये नाम कौन हैं, ये तो नहीं पता। लेकिन खतरे की घंटी कई बड़े नामों में मंडरा रही है जिन्हें कई बार चेतावनी देने के बाद भी कुछ खास नहीं कर रहे थे। रिपोर्ट का तो ये भी दावा है कि मेकर्स कुछ नए सदस्यों को मशहूर चेहरों को लेकर आने वाले हैं। मेकर्स चाहते हैं कि शो में और मसाला और हंगामों की जरूरत है। मालूम हो इस वीकेंड के वार पर कोई एलिमिनेशन भी नहीं हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स के पास कई नाम हैं जिन्हें वह बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री भेज सकते हैं। पूनम पांडे, अध्यन सुमन, फ्लोरा सैनी, भाविन भानुशाली से लेकर बंग्लादेशी क्रिकेटर जाहनारा आलम को बुलाया जा सकता है। लेकिन अभी तक कुछ भी कंफर्म नहीं है। बता दें कि इस सीजन दो वाइल्ड कार्ड एंट्री हो चुकी है। मनस्वी और समर्थ। ईशा के बॉयफ्रेंड और अभिषेक के साथ लड़ने झगड़ने के चलते समर्थ तो अच्छा टिक गए हैं लेकिन मनस्वी का सफर एक ही हफ्ते में खत्म हो गया था।

मंसूर खान के 'रेप और बेडरूम' वाले बयान पर भड़कीं तृषा, बोलीं- मैं उनके साथ कभी काम नहीं करूंगी

दलपति विजय की फिल्म 'लियो' दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म में अभिनेता के साथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन नजर आई थीं। अब वे एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल, 'लियो' में तृषा के सह कलाकार मंसूर अली खान ने अभिनेत्री पर विवादित टिप्पणियां की थीं, जिस पर तृषा ने अभिनेता को लताड़ लगाई है। साथ ही उन्होंने मंसूर के साथ जिंदगी में कभी काम न करने की कसम भी खाई। दरअसल, 'लियो' में मंसूर अली खान और तृषा ने काम किया, लेकिन दोनों ने साथ में किसी भी सीन की शूटिंग नहीं की। तृषा के साथ कोई दृश्य शूट नहीं करने पर मंसूर ने अभिनेत्री पर विवादित टिप्पणी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंसूर ने कहा, "जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ अभिनय कर रहा हूं तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। मैंने सोचा कि मैं उसे उसी तरह बेडरूम में ले जाऊंगा, जैसे मैंने अपनी पिछली फिल्मों में अन्य अभिनेत्रियों के साथ किया था। मैंने बहुत सारे रेप सीन किए हैं और यह मेरे लिए नया नहीं है, लेकिन इन लोगों ने कश्मीर में शूटिंग के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया तक नहीं।' अब तृषा ने मंसूर की इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। तृषा ने अपने एक्स अकाउंट पर इस वीडियो को साझा किया और मंसूर अली खान की टिप्पणियों के लिए आलोचना की। उन्होंने मंसूर एक 'दयनीय' आदमी कहा और कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि वे कभी एक साथ काम न करें। एक्स पर तृषा ने लिखा, 'एक हालिया वीडियो मेरे संज्ञान में आया है, जहां मंसूर अली खान ने मेरे बारे में भद्दे और घृणित तरीके से बात की है। मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं और इसे लैंगिक भेदभावपूर्ण, अपमानजनक, स्त्रीद्वेषी, घृणित और खराब मानती हूं। वह कामना करते रह सकते हैं, लेकिन मैं आभारी हूं कि मैंने कभी उनके जैसे दयनीय व्यक्ति के साथ स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया और मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मेरे बाकी फिल्मी करियर में भी ऐसा कभी न हो। उनके जैसे लोग मानव जाति का नाम खराब करते हैं। तृषा को कई सितारों का साथ मिला। लोकेश कनगराज भी तृषा के समर्थन में उतरे। 'लियो' निर्देशक ने कहा कि वे मंसूर अली खान द्वारा की गई महिला द्वेषपूर्ण टिप्पणियों को सुनकर निराश और क्रोधित हैं। उन्होंने कहा, 'किसी भी उद्योग में महिलाओं, साथी कलाकारों और पेशेवरों के सम्मान से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और मैं इस व्यवहार की पूरी तरह से निंदा करता हूं।' वहीं, गायिका चिन्मयी श्रीपदा ने भी खान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चिन्मयी ने कहा, 'मंसूर अली खान जैसे पुरुष हमेशा इस तरह से बात करते रहे हैं। कभी भी निंदा नहीं की गई, जबकि सत्ता, धन और प्रभाव वाले अन्य लोग हंसते रहे।'

मोदी-मनोहर सरकार ने क्षेत्रवाद और भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाया: नायब सैनी

पंचकूला नागरिक अभिनंदन समारोह में बोले सैनी- कांग्रेस सालों तक जनता को गुमराह करती रही

भुपेंद्र शर्मा

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने कहा कि मोदी-मनोहर के नेतृत्व वाली सरकार ने देश और प्रदेश के लोगों को क्षेत्रवाद, पारिवारवाद, भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाया है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने 9 सालों में गरीबों, पिछड़ों, दलितों को आर्थिक रूप से मजबूत किया है। सैनी ने कहा कि 2014 के बाद मोदी-मनोहर सरकार ने हर क्षेत्र में गजब के काम करते हुए विकास की बुलंदियों को छूआ है। इन साढ़े 9 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का सम्मान विश्व पटल पर उंचा किया है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रविवार को पंचकूला स्थित 'पंच कमल' कार्यालय में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सैनी ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बौखलाई हुई है और झूठी बातें कर जनता को गुमराह कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के पार्टी कार्यालय 'पंच कमल' पहुंचने पर सांसद रमेश कौशिक, जिला प्रभारी एवं मीडिया प्रमुख डा. संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष अजय शर्मा, पूर्व विधायक लतिका शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य बंतो कटारिया सहित अनेक पदाधिकारियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों, पार्षदों, मोर्चा, प्रकोष्ठ अध्यक्षों ने बड़ी फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। सैनी ने सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों व सामाजिक संगठनों का आभार व्यक्त किया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सैनी ने कहा कि 2014 से पहले देश और प्रदेश में भय, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और क्षेत्रवाद कायम था। जनता ऐसे माहौल से छुटकारा चाहती थी। राजनीतिक लोगों पर से जनता का विश्वास डगमगाने लगा था। सैनी ने कहा कि 2014 में प्रधान सेवक की बागडौर संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों में विश्वास कायम किया। ऐसी-ऐसी योजनाएं चलाई जिनका सीधा लाभ जनता को मिलने लगा। सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन करके 9 सालों में जनता का दिल जीता है। नायब सैनी ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है कि ऑनलाइन सिस्टम से घर बैठे लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। योग्यता के आधार पर बिना पर्ची और खर्ची के युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में ऐसा तंत्र विकसित किया जिससे भ्रष्टाचार समाप्त हुआ। भाजपा की डबल इंजन की सरकार में गरीबों को अपने इलाज की चिंता नहीं है। आयुष्मान और चिरायु कार्ड से 5 लाख रुपये तक निशुल्क इलाज हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष सैनी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने धारा-370 को तोड़कर जम्मू कश्मीर में तीन परिवारों की दुकानदारी बंद की है, जो कहते थे 370 हटी तो खून की नदियां बहेंगी। सैनी ने कहा कि 370 भी टूटी और जम्मू कश्मीर में आज माहौल बहुत अच्छा है। मोदी के नेतृत्व में हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो रही है। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। मोदी सरकार ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया है जिससे देश और प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा है और लोगों का जीवन सरल हुआ है। कांग्रेस को निशाना पर लेते हुए सैनी ने कहा कि जब-जब कांग्रेस की सरकार आई उसने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। कांग्रेस में उसी को नौकरी मिलती थी जो नेता का रिश्तेदार होता था। कांग्रेस के समय में गैस सिलेंडरों के लिए भी लंबी-लंबी लाइनें लगती थी। कांग्रेस झूठ बोलकर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। पूर्व सीएम हुड्डा के चार डिप्टी सीएम बनाने के बयान पर बोलते हुए सैनी ने कहा कि वो जनता को भ्रमित कर रहे हैं। संविधान के हिसाब से 8 से ज्यादा मंत्री नहीं बन सकते। ऐसे क्या हुड्डा संविधान से उपर होकर डिप्टी सीएम बनाएंगे? सैनी ने कहा कि हम सभी को एकजुट होकर कांग्रेस को अपने मनसूबे में कामयाब नहीं होने देना है। सैनी ने कहा कि हरियाणा में मनोहर लाल के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी और कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो जाएगा। नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश में कार्यकताओं का जो जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। आने वाले 2024 चुनाव में हरियाणा में कार्यकताओं के दम और जनता के उत्साह और समर्थन से लोकसभा की दसों सीटों पर कमल खिलेंगे तथा हरियाणा में भी तीसरी बार मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। सोनीपत के सांसद रमेश कौशिक ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छोटे से छोटे कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी देने जैसा चमत्कार भाजपा में ही हो सकता है। भाजपा का कार्यकर्ता अपनी मेहनत के दम पर प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकता है। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर सैनी को बधाई देते हुए सांसद ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की जबदस्त हवा चल रही है। हरियाणा में नायब-मनोहर की जोड़ी लोकसभा की दसों सीटों पर कमल खिलाने में कामयाब होगी और हरियाणा में भी तीसरी बार भारी बहुमत से मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का दुनिया में मान सम्मान बढ़ा है। 9 सालों में जी-20 की बैठकें, चंद्रायान-2 की लाचिंग जैसे वो काम हुए हैं जो कोई सोच नहीं सकता था। कौशिक ने कहा कि 2014 से पहले की सरकार में हरियाणा में नौकरियों की बोलियां लगती थी, हर जगह क्षेत्रवाद और परिवारवाद का बोलबाला था। 2014 में मनोहर लाल जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बनें उन्होंने ईमानदारी से काम करते हुए 9 सालों में सुशासन कायम किया। बिना भेदभाव के पूरे हरियाणा का समान रूप से विकास किया। सम्मेलन को कार्यकारिणी सदस्य बंतों कटारिया व जिला अध्यक्ष अजय शर्मा ने भी संबोधित किया। अजय शर्मा ने समारोह में आने पर प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी समेत तमाम नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं तथा जनता का धन्यवाद किया। इस मौके पर कार्यकारिणी सदस्य बंतो कटारिया, नगर निगम के महापौर कुलभूषण गोयल, नगरपरिषद चेयरमैन कृष्ण लांबा, सचिव रंजिता मेहता, शिवालिक बोर्ड के वाइस चेयरमैन ओम प्रकाश, सह कोषाध्यक्ष वीरेंद्र गर्ग, सह मीडिया प्रभारी संजय आहुजा, जिला मीडिया प्रमुख नवीन गर्ग, कृष्ण ढुल, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा, मंडल अध्यक्ष युवराज कौशिक, संदीप यादव, गौतम राणा, संदीप यादव, भूवनजीत, सुखबीर राणा, मदन धिमान, राकेश अग्रवाल, जिला पदाधिकारी, मंडल मोर्चा के अध्यक्ष, पार्षद और सरपंच उपस्थित थे।

■ सीएम मनोहर लाल ने गरीबों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया: सैनी

छठ माई प्रसन्न होकर करती हैं मनोकामनाएं पूरी: कुलभूषण गोयल

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला। बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के लोगों के त्यौहार छठ पर्व रविवार को पंचकूला में धूमधाम से मनाया गया। पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित छठ पूजा में बतौर मुख्यातिथि शिरकत लिया। गांव अभयपुर में आयोजित छठ पूजा में मेयर कुलभूषण गोयल ने लोगों को शुभकामनाएं दी।

मेयर कुलभूषण गोयल ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठ को सूर्य देवता की बहन है। छठ पर्व में सूर्य उपासना करने से छठ माई प्रसन्न होती हैं और घर परिवार में सुख शांति व धन धान्य से संपन्न करती है। यह लोगों की आस्था का प्रतीक है। इससे शरीर के सारे कष्टों का नाश हो जाएगा और सौ अश्वमेघ यज्ञ के समान फल की प्राप्ति होती है। पूर्व पार्षद सुभाष निषाद और छठ पूजा समिति अभयपुर के प्रधान अंकुश निषाद ने कुलभूषण गोयल का स्वागत किया। अंकुश निषाद, जितेंद्र कुशवाहा, विनोद साहनी, सोनू, तीश्वर खान, अरविंद निषाद, मुकेश निषाद उपस्थित रहे। अंकुश निषाद ने बताया कि पूर्वांचल एकता मंच पंचकूला एवं छठ पूजा समिति अभयपुर की ओर से गांव अभयपुर में पिछले सालों की तरह ही आयोजन किया जा रहा है। यहां पर हजार से अधिक लोग पहुंचे है। स्थानीय लोगों का यहां पर भरपूर सहयोग मिलता है। 19 नवंबर की शाम को महिलाएं खड़ी होकर डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया औ फिर 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देंगी। मेयर कुलभूषण गोयल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से पूर्वांचल से लोग अपना प्रांत और शहर छोडकर. पंचकूला आये हैं और हमें उनका प्यार और स्नेह हमेशा मिला हैं।

ट्रैफिक जाम की स्थिति से निजात पाने के लिए एडवाईजरी जारी

पंचकूला। पुलिस उपायुक्त मुकेश मल्होत्रा के निर्देशानुसार इंस्पेक्टर ट्रैफिक सतबीर सिंह ने माजरी चौक पर ट्रैफिक की स्थिति से बचने के लिए, आमजन की सुविधा के ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर ट्रैफिक सतबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जो यात्री यमुनानगर, रामगढ़, नाडा साहिब की तरफ आने वाले यात्री, जो पिन्जोर कालका शिमला की तरफ जाना चाहते है, वह माजरी चौंक से सीधा बेला विस्टा चौंक, टैंक चौक की तरफ से होते हुए पुराना पंचकूला की तरफ से रास्ते का प्रयोग करें। वह सीधा माजरी चौंक से पिन्जोर कालका जाने के लिए रास्ते का प्रयोग न करें। इसके अलाव जो यात्री जीरकपुर की तरफ से कालका पिन्जोर जाना चाहते है या तो वह सीधा हाईवे (फ्लाईओवर) से होते हुए शिमला कालका पिन्जोर जायें। परन्तु माजरी चौंक का इस्तेमाल ना करते हुए सेक्टर 2/4 के कट से होते हुए वेला पिस्टा चौंक तथा ओल्ड पंचकूला की तरफ से होते हुए कालका पिन्जोर की तरफ जा सकते है।

मानव मंगल ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप संपन्न, विजेताओं को दिए गए नकद पुरस्कार

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। मानव मंगल स्मार्ट स्कूल, सेक्टर-64 में आयोजित पहली मानव मंगल ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 23 रविवार को संपन्न हो गई। 15 नवंबर से शुरू हुई इस चैंपियनशिप में ट्राईसिटी के करीब 350 स्टूडेंट्स ने भाग लिया था। विजेताओं और उपविजेताओं को रविवार को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया जबकि सभी चार सेमीफाइनलिस्टों को ट्रॉफी और मेडल भी दिए गए। अंडर-17 विजेता को 5,100 रुपये और उपविजेता को 3,100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया जबकि अंडर-15, अंडर-13 और अंडर-11 के विजेता को 3,100 रुपये और उपविजेता को 2,100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इस चैंपियनशिप में सर्वोत्तम खेल भावना को सामने लाने के उद्देश्य से अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्ग में प्रतिभागियों (लड़कों और लड़कियों) के बीच मुकाबले हुए। लड़कों के अंडर-11 मुकाबले के विजेता कुशाल रहे जबकि उपविजेता हियन यादव बने। लड़कियों के अंडर-11 मुकाबले की विजेता सीरत बैदवान बनीं जबकि उपविजेता आद्या सिंह मीना बनीं। लड़कों के लिए आयोजित अंडर-13 मुकाबला आर्यन मक्कड़ ने जीता जबकि उपविजेता मनन राणा बने। वहीं, लड़कियों के लिए आयोजित अंडर-13 मुकाबला अवनी ने जीता और गुनीत उपविजेता बनीं। लड़कों के लिए अंडर-15 आयुवर्ग के लिए आयोजित मुकाबले में भाष्य विजेता बने जबकि विहान कठपालिया उपविजेता बने। वहीं, लड़कियों के लिए अंडर-15 आयुवर्ग के लिए आयोजित मुकाबले में अवनी विजेता बनीं और दिवनूर कौर उपविजेता बनीं। लड़कों के अंडर-17 मुकाबले के विजेता रूद्र राणा रहे जबकि उपविजेता वैभव गिरी बने। लड़कियों के अंडर-17 मुकाबले की विजेता रायसा भनोट बनीं जबकि उपविजेता जसकमल बनीं। स्कूल के डॉयरेक्टर संजय सरदाना ने कहा कि भारतीयों को फिट बनाने की दृष्टि से खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए मानव मंगल का यह एक उल्लेखनीय प्रयास था।

संक्षिप्त-समाचार

न्यूक्लियर मेडिसिन, पीजीआई चंडीगढ़ ने शीर्ष सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया

चंडीगढ़। एम्स, जोधपुर में हाल ही में संपन्न सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, इंडिया के वार्षिक सम्मेलन (16-19 नवंबर, 2023) में। प्रोफेसर बलजिंदर सिंह की पीएचडी छात्रा हरनीत कौर को मॉलिक्यूलर ऑन्कोलॉजी की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (अलावी-टकलकर-कुमार) मिला। उन्होंने 68Ga-Pentixafor PET का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में प्रतिक्रिया का मूल्यांकन किया, जो उच्च शरीर रोग बोझ को दर्शाता है - रोग मूल्यांकन और प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए गंभीर रोग लक्ष्य और व्यक्त बायोमार्कर। इस श्रेणी में - विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. सूरज कुमार को भी यह पुरस्कार (तीसरा स्थान) मिला। प्रोफेसर बलजिंदर सिंह की एक अन्य पीएचडी छात्रा कीर्ति को भी रेडियो-फार्मेसी और बुनियादी विज्ञान की श्रेणी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला। उनका पीएचडी शोध ऑन्कोलॉजी में संभावित पीईटी अनुप्रयोगों के लिए साइक्लोट्रॉन का उपयोग करके Zr-89 के उत्पादन पर है जो क्टेअर और पीजीआई के बीच एक सहयोगात्मक कार्य है। एमपीआई में व्यावसायिक प्रभावी खुराक और इमेजिंग समय के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए डॉ. अजय कुमार चितकारा को न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ (प्रथम) पेपर पुरस्कार (प्रोफेसर अरुण मल्होत्रा पुरस्कार) से सम्मानित किया गया: डी-स्पेक्ट बनाम पारंपरिक एसपीईसीटी/सीटी।

पॉलिथीन इस्तेमाल के खिलाफ निगम का अभियान लगातार रहेगा जारी: डॉ. ऋचा राठी

पंचकूला। नगर निगम की टीम पॉलीथीन का इस्तेमाल करने वालों पर और पॉलीथीन को बेचने वालों पर नजर बनाए हुए है क्यूंकि पंचकूला में पॉलीथीन के इस्तेमाल पर नगर निगम ने रोक लगाई हुई है। पॉलीथीन के इस्तेमाल करने वालों पर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। पॉलिथीन के इस्तेमाल पर रोक लगाने को लेकर संयुक्त आयुक्त डॉक्टर ऋचा राठी ने कई टीमों का गठन किया गया है जोकि पंचकूला के विभिन्न सेक्टर्स में छापेमारी कर रही है। गठित की गई विभिन्न टीमें शनिवार को एक बार फिर संयुक्त आयुक्त के दिशा निर्देश पर पंचकूला के अलग-अलग सेक्टर्स की मार्किट में पहुंची और छापेमारी की। छापेमारी कर टीम ने विभिन्न दुकानदारों और रेहड़ी वालों के पॉलिथीन के इस्तेमाल करने पर कुल 22 चालान काटे। संयुक्त आयुक्त डॉक्टर ऋचा राठी ने कहा कि पंचकूला को प्लास्टिक मुक्त बनाना उनका मुख्य उद्देश और प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में पॉलिथीन प्रयोग के कई दुष्परिणाम है और पॉलिथीन बैग का उपयोग कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक किया जाता है जिसके बाद उसे फेंक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पंचकूला को पॉलिथीन मुक्त करने को लेकर सख्ती के साथ निपटा जाएगा और निगम की यह मुहीम आगे भी जारी रहेगी। संयुक्त आयुक्त ने पंचकूला के दुकानदारों और जनता से निवेदन किया कि वे पॉलिथीन का इस्तेमाल ना करें। उन्होंने लोगों से पॉलीथीन का इस्तेमाल बंद करके कपड़े या जूट के बैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

नगर निगम ने मनीमाजरा में मनाई छठ पूजा

चंडीगढ़। नगर निगम ने रविवार को मनीमाजरा के इंद्रा कालोनी में छठ पूजा मनाई। अपने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से नगर निगम सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ मनीमाजरा के इंद्रा कॉलोनी में अनुष्ठान करने के लिए एक सुंदर सरोवर विकसित किया। यह नगर निगम द्वारा आयोजित जीरो वेस्ट कार्यक्रम था। कार्यक्रम के बाद सभी सजावट के फूलों का उपयोग अर्पण प्रोजेक्ट में किया जाएगा। इस वर्ष छठ पूजा को विशेष अवसर बनाने के लि चंडीगढ़ नगर निगम ने इंद्रा कॉलोनी में एक ग्रीन बेल्ट में अनुष्ठान पूजा करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया। नगर निगम मेयर अनूप गुप्ता ने कहा कि चंडीगढ़ नगर निगम ने इस वर्ष छठ पूजा के उत्सव के लिए एक समग्र मंच प्रदान किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने शांत वातावरण, आवश्यक सामग्री और आनंददायक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पेशकश करके निवासियों और आगंतुकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा है। नगर निगम आयुक्त अनिंदिता मित्रा ने कहा कि छठ पूजा का यह अनूठा उत्सव अपने नागरिकों के लिए समावेशी और आनंददायक अनुभव बनाने के लिए चंडीगढ़ नगर निगम की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

नगर परिषद के गठन को डेढ़ साल बीतने के बाद भी वायदों पर खरा नहीं उतरा बीजेपी: प्रदीप चौधरी

कालका/पिंजौर। कांग्रेस पार्टी के कालका से विधायक प्रदीप चौधरी ने बीजेपी की सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वोट के लिए तो ट्रिपल इंजन की सरकार हो जाती है और जब विकास की बात आती है तो फिर इनके वायदे पटरी से उतर जाते है। विधायक ने यह भी कहा कि आज डेढ़ साल से ज्यादा वक्त हो चुका है और नगर परिषद कालका पिंजौर पर बीजेपी पार्टी का चेयर पर्सन होने के बाद भी कोई विकास कार्य नगर परिषद क्षेत्र में नहीं हो पा रहे हैं। आज नगर परिषद की अधिकतर गलियों की हालत इतनी ज्यादा खराब हो चुकी है। परिषद एरिया के लोग शिकायतें कर कर के थक चुके हैं। लेकिन नगर परिषद विकास के लिए कोई काम नहीं कर रही। बल्कि नगर परिषद एक बात के लिए जरूर सुर्खियों में आई जो एक बड़ा घोटाला, जिसके ऊपर आज भी पर्दा डाले हुए है। उन्होंने कहा कि आज कालका विधानसभा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का बहुत बुरा हाल हो चुका है। यही वजह है कि आज जगह-जगह गंदगी का आलम है और खासकर नगर परिषद एरिया में तो कूड़ा करकट डालने के लिए भी कोई इंतजाम नहीं हो पा रहे है। बल्कि सड़कों और गलियों के किनारों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। आज रोजगार की बात करें तो युवा नौकरी की तलाश में भटक रहा है। हमारे क्षेत्र की लाइफ लाइन कहे जानी वाली एचएमटी को सरकार की गलत नीतियों ने बंद करवा दिया है।

हरियाणा विस अध्यक्ष ने सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-10 में सोलर पॉवर प्लांट का किया उद्घाटन

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-10 के प्रांगण में सोलर पॉवर प्लांट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सनातन धर्म मंदिर सभा को अपने स्वैच्छिक कोष से 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है की गुप्ता द्वारा मंदिर में सोलर पॉवर प्लांट की व्यवस्था करने के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख रुपये की राशी उपलब्ध करवाई गई थी। उन्होंने सभा को और 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। मंदिर प्रांगण में 35 किलोवॉट का सोलर पॉवर प्लांट लगाया गया है जिससे मंदिर में बिजली के बिल के रूप में खर्च होने वाली पूरी राशि की बचत होगी। इस राशि का उपयोग मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुविधाएँ उपलब्ध करवाने पर किया जा सकेगा। सोलर पॉवर प्लांट के उद्घाटन पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए गुप्ता ने कहा कि मंदिर में सोलर पॉवर प्लांट की व्यवस्था से मंदिर में बिजली के बिल पर होने वाले खर्च की बचत होगी। सनातन धर्म मंदिर सभा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा की सभा धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ गरीब व जरूरतमंदों की सहायता और गरीब बच्चों की शिक्षा का सहरानीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भारी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थित पर गुप्ता ने कहा कि हमारे देश में धर्म का प्रचार प्रसार करने में मातृ शक्ति का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारी बहन बेटियां घर संभालने के साथ साथ धार्मिक गतिविधियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेती है। गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सोलर पॉवर जैसे बिजली के प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोलर पॉवर प्लांट से जहां बिजली सस्ती पड़ती है वहीं पर्यावरण संरक्षण भी होता है। उन्होंने सनातन धर्म सभा द्वारा मंदिर में सोलर पॉवर प्लांट लगाने के निर्णय के लिये सभा की प्रशन्नसा की।

गर्वनर ने युवाओं को सेना में शामिल होकर देश सेवा के लिए किया प्रेरित

चंडीगढ़। एक सैनिक का जीवन उन बलिदानों का प्रतीक है जिससे राष्ट्र बना है। इसीलिए युवाओं को सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने के लिए आगे आना चाहिए। यह बात रविवार को पंजाब के राज्यपाल और यूटी . प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने कही। पुरोहित ने कहा कि सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने से बेहतर जीवन जीने का कोई बेहतर तरीका नहीं है। पुरोहित ने रविवार सुबह यहां ब्रेवहार्ट्स राइड को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे पहले भारत-पाक के शहीदों की स्मृति को समर्पित लेक क्लब में आयोजित होने वाले वार्षिक सैन्य साहित्य महोत्सव (एमएलएफ) के लिए मंच तैयार किया गया। यह आयोजन 2 और 3 दिसंबर को किया जाएगा। इस दौरान सेना, वायु सेना और नौसेना के दिग्गजों सहित लगभग 890 पेशेवर और शौकिया बाइकर्स ने मुख्य एमएलएफ कार्यक्रम की रोमांचक शुरूआत के रूप में, सुरक्षित ड्राइविंग और ड्रग्स-मुक्त जीवन शैली का संदेश फैलाने के लिए शहर की सडकों पर बाइक दौड़ाई। यह राइड पंजाब सिविल सचिवालय मेन्स से सटे मैदान के बाहर से शुरू हुई और चंडीमंदिर छावनी में समाप्त हुई।

इंटरनेशनल मेन्स डे पर साईकलगिरि ने किया साइकिलिंग रैली का आयोजन

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। विश्व भर में 19 नवंबर को मनाये जाने वाले इंटरनेशनल मैन्स डे के अवसर पर साईकलिंग ग्रुप - साईकलगिरि ने अनोखे रुप से इस दिन को मनाया। ग्रुप ने अपने सदस्यों के साथ दस किलोमीटर की साईकल रैली आयोजित स्थानीय लोगों को पुरुष रोग - प्रोस्टेट कैंसर के प्रति जागरुक किया। साईकलिरि ग्रुप से संस्थापक डॉ सुनैना बंसल और अक्षित पस्सी ने बताया कि 95 मेल साईकलिस्टों ने रैली में भाग लिया जिनकी हौंसलाहफजाई के लिये फीमेल साईकलिस्ट भी जुटी। सेक्टर 27 स्थित चंडीगढ़ प्रैस कल्ब से शुरू यह रैली विभिन्न सैक्टरो में गुजरती हुये प्रैस कल्ब में ही सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यातिथि चंडीगढ़ के मेयर अनूप गुप्ता ने साईकलिस्टों को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जानी मानी रेडियो जोकी मीनाक्षी भी मौजूद रही। सभी साईकलिस्ट कोट और पेंट के ड्रेस कोड में थे जिनके बीच स्वयं मेयर गुप्ता ने भी साइकिलिंग का आनंद उठाया। विशेष रुप से आमंत्रित डॉ हेमकांत वर्मा ने प्रोस्टेट कैंसर के अनछुए पहलुओं को प्रतिभागियों से अवगत करवाया जिसमें इसके लक्षण, परहेज और उपचार शामिल थे। इस दौरान कुछ फिटनेस कंपटीशन भी करवाये गये और विजेताओं को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने विकास वाजपेई का आयोजन को सफल बनाने के लिये विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

■ प्रोस्टेट कैंसर के प्रति किया गया लोगों को जागरूक

जजपा पंचकूला के जिला अध्यक्ष दिलबाग नैन अपनी टीम के साथ राजस्थान में कर रहे डोर टू डोर प्रचार

दर्पण न्यूज सर्विस

कालका। जननायक जनता पार्टी से पंचकूला के जिला अध्यक्ष दिलबाग नैन अपनी टीम के साथ राजस्थान की विधानसभा सीट भादरा में अपना पूरा दमखम लगाए हुए हैं और प्रत्याशी कार्तिकेय डूडी के लिए गांव-गांव में जनसभाएं व डोर टू डोर प्रचार में पूरा पसीना बहा रहे हैं। दिलबाग नैन ने बताया की भादरा विधानसभा ग्रामीण क्षेत्र है और इसके अंदर लगभग 126 गांव आते हैं एक छोटा कस्बा भी है। भादरा विधानसभा का क्षेत्रफल बहुत बड़ा है और वोटिंग होने में बहुत कम समय बचा है। इसलिए रात दिन मेहनत करके एक दिन में 15 से 20 गांव करने होते हैं। गाड़ियों का लंबा चौड़ा काफिला होने के बावजूद भी सभी गांव को कर पाना मुश्किल हो रखा है, फिर भी हमारी कोशिश है कि हम हर एक वोटर तक पहुंचे और चाबी के निशान को लोगों तक पहुंचा कर जननायक जनता पार्टी का राजस्थान में भी परचम लहराएंगे। साथ में आए अजय गौतम/अमित सैनी ने बताया कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और गांव में सड़कों की हालत बेहद खराब है। सही से लोगों के लिए पीने का पानी भी पर्याप्त नहीं है। राजस्थान के गांव के हालात बहुत ही ज्यादा खराब है। हम लोगों को यही बात समझाने में लगे हुए हैं कि हरियाणा में एक भी कच्ची सड़क नहीं है और बुढ़ापा पेंशन भी तीन हजार मिलती है। यही सब राजस्थान में लाने के लिए आप जननायक जनता पार्टी को वोट करें और हमारे प्रत्याशी कार्तिक के डूडी को अपना बहुमूल्य वोट देकर सफल बनाएं।

आयोजन

'प्रकृति के साथ मिलकर चलेंगे तो हम अच्छा जीवन जी सकते हैं'

आरोग्य विद्या एवं नेचरोपैथी इंस्टीट्यूट मोहाली ने खालसा कॉलेज मोहाली के साथ मिलकर राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया

दर्पण न्यूज सर्विस

मोहाली। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का कार्यक्रम खालसा कॉलेज मोहाली के सभागार में आयोजित किया गया। खालसा कॉलेज मोहाली की प्रिंसिपल डॉक्टर हरीश कुमारी, प्रोफेसर विनोद कुमार चौधरी पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से डॉ. राजीव कपिला सीनियर आयुर्वैदिक फिजिशियन चंडीगढ़ से और विनोद भारद्वाज योगाचार्य ने भी शिरकत की इस कार्यक्रम का संचालन ज्योत्सना सुखीजा ने किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर चौधरी ने पर्यावरण के ऊपर बात की और बताया कि आज के समय में जो पेस्टिसाइड्स डाल रही हैं। उससे जो भोजन का स्तर खराब हो गया उसे हमारे शरीर पर वित्त विभाग में विपरीत असर हो रहा है। उसके लिए हमें जागृत होना पड़ेगा प्रकृति के साथ मिलकर चलेंगे तो हम अच्छा जीवन जी सकते हैं। इसके उपरांत डॉ. राजीव कपिला सीनियर आयुर्वेद का नेचुरोपैथी से क्या संबंध है उसके ऊपर बात करी और कहां कि नेचुरोपैथी और आयुर्वेद एक ही बात है।

डॉ हरीश कुमारी ने कहा पहले के लोग कैसे प्रकृति के साथ जीते थे और स्वस्थ रहते थे। डॉ. एम.पी. डोगरा आरोग्य विद्या नेचुरोपैथी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने आज के नेचुरोपैथी दिवस का जो थीम है नेचुरोपैथी फॉर हॉलिस्टिक हेल्थ पर बात की और कहा कि नेचुरोपैथी सामग्र शरीर का ध्यान रखती है इसमें शरीर मन और आत्मा का इलाज होता है। और उसके लिए जो हमारे साधन है वह पंचमहाभूत ही हैं। यह भी कहा कि हमारा खाना पंचमहाभूत से युक्त होना चाहिए और वह खाना हमें खेतों से प्राप्त होता है। जबकि आज के चलन में हम फैक्ट्री से बना खाना खा रहे हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल ही अच्छा नहीं है। इस कार्यक्रम में नीतू शर्मा ने शंख बजा कर प्रोग्राम का आगाज किया और स्वागत गीत किया बच्चों ने आज के समय में जो हम पानी को व्यर्थ गवा रहे हैं उसके ऊपर एक रंगा-रंग कार्यक्रम पेश किया कि आज के समय में पानी कितना जरूरत है। उसको बचाएँ तो ही आगे जी सकेंगे। सेमिनार में आये लोग विक्रम देव सिंह, प्रवीन कुमार, देविन्दर मिश्रा, मनविंदर सिंह, अंजना सोनी, राकेश सुखीजा, नीतू शर्मा, गुरमीत कौर, रीना, नरेश शर्मा, रमेश शर्मा, निधि मित्तल, मिनी पूरी, पूजा यादव, सरवजीत, तजिंदर कौर, करम सिंह, आनन्द राव, अम्बिका डोगरा, श्रव्या डोगरा, संस्थान की चेयरपर्सन प्रिया डोगरा इत्यादि लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।